हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

NEWSLETTER

April-June 2022 Vol.4 Issue:1

Azadi Ka Amrit Mahotsav

MoUs

CUH Admissions 2022-23

Seminars/Conferences/Workshops

Extension Lectures

Research and Publications

Awards and Achievements

Celebrations

Initiatives and Innovations

Training and Placements

कुलगीत

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।

शिक्षा-दीक्षा की परंपरा से, राष्ट्र का हुआ सदा उत्थान।
कौशल और नव-सृजन से, सजा हुआ गौरव अभियान।।

ज्ञान-विज्ञान की शक्ति से हम, नव-मंडल में हुए स्थापित।
सीखा है इतिहास से हमने, नव-तकनीकों में हुए समाहित।।

संस्कारों की शक्ति को जब, लिया है युवा ने पहचान।
हम सब बनें राष्ट्र के रक्षक, आओ करें नव-भारत निर्माण।।

कला-योग-विज्ञान-विधि का, विश्वविद्यालय देता ज्ञान।
तन-मन और जीवन-शुचिता का, देता है यह शुभ वरदान।।

जन्म लेकर जिस धरा पर, शौर्य करता शीश बलिदान।
अपनी मेहनत से माटी को, सोना कर दे जहाँ किसान।।

हर की धरा हरियाणा पर, स्थापित अपना कुल महान्।
शिक्षा और स्वावलंबन, आओ ऐसे कुल को करें प्रणाम।।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

'शिक्षित बेटी–सुरक्षित बेटी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम 25 (2009) के तहत स्थापित
नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
महेन्द्रगढ़ - 123031(हरियाणा), भारत

Central University of Haryana
Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament
NAAC Accredited 'A' Grade University
Jant-Pali, Mahendergarh (Haryana)-123031

प्रो॰ (डॉ॰) टंकेश्वर कुमार, कुलपति
Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor

कुलपति की कलम से...

मुझे प्रसन्नता है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए 'न्यूज लेटर' का प्रकाशन कर रहा है। मेरी प्रतीति है कि यह सभी हितधारकों और अकादमिक जगत को विश्वविद्यालय द्वारा क्रियान्वित प्रमुख शैक्षणिक, अनुसंधान और विस्तारपरक गतिविधियों के बारे में बताएगा। यह त्रैमासिक प्रकाशन विभिन्न हितधारकों को ज्ञानाबद्ध करने के साथ फीडबैक को भी संप्रेषित करने में सक्षम होगा।

अपनी स्थापना के बाद से, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय समावेशी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है। यह बताना सार्थक है कि विश्वविद्यालय एन.आइ.आर.एफ. (NIRF) रैंकिंग में श्रेष्ठ 200 संस्थानों के बीच अपना स्थान बनाने में सफल रहा है। इस खुशी को अकादमिक जगत से साझा करते हुए मैं आह्लादित हूँ कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक श्रम का प्रतिफलन है। इन्हीं सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय अब उत्तर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र के रूप में उभरा है, जिसकी प्रामाणिकता हरियाणा राज्य के अतिरिक्त अन्य 26 राज्यों के 53% से अधिक छात्रों के नामांकन से सिद्ध होती है। पाठ्यचर्या, शैक्षणिक, अनुसंधान और सामुदायिक विकास के विविध पहलुओं में सर्वोत्तम क्रियाकलापों को अपनाकर यह विश्वविद्यालय अपने सहयोगी विश्वविद्यालयों के लिए पथप्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

अपनी अकादमिक परिधि को विस्तृत करते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय 33 विभागों के तहत शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत शृंखला को संचालित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की संकल्पना का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय ने चरणबद्ध तरीके से इसके कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रूपरेखा का निर्माण किया है। कार्यान्वयन के पहले चरण में विश्वविद्यालय द्वारा हासिल किए गए महत्वपूर्ण मील के पत्थर में शामिल है- एनईपी-2020 के अनुरूप पाठ्यचर्या सुधारय भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में यूजी-पीजी एकीकृत कार्यक्रमों की शुरूआत; क्रेडिट के अकादमिक बैंक (एबीसी) और एकाधिक प्रवेशधनिकास विकल्पों पर यूजीसी दिशानिर्देशों को अपनानाय प्रत्येक विभाग द्वारा पेश किए जाने वाले सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के व्यापक स्पेक्ट्रम के माध्यम से बहु-विषयक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना और बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा और पुनर्वास मनोविज्ञान में पीजी डिप्लोमा की शुरूआत। वर्तमान शिक्षण सत्र (2022-23) से जियोइन्फोर्मेटिक्स में एम.एस.सी.कार्यक्रम, हिंदी अनुवाद में एम.ए. कार्यक्रम और फार्माकोग्नोसी में एम.फार्मा. कार्यक्रम का आरंभ हो रहा है। विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और विस्तार व्याख्यानों का नियमित आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत अनेक सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, अनुसंधानमूलक और विचारपरक आयोजनों का केन्द्र बन रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद की सुविधाओं में भी तीव्र गति से विकास कर रहा है।

मैं आशान्वित हूँ कि यह 'न्यूज लेटर' विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को जनसुलभ कराने के साथ-साथ इसके विकास को जानने-समझने का उपयोगी दस्तावेज सिद्ध होगा।

सफलता की शुभकामनाओं सहित.....

(प्रो. टंकेश्वर कुमार)
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

CONTENTS

1.	आजादी का अमृत महोत्सव/Azadi Ka Amrit Mahotsav	5
	➢ हकेवि में रंग और रेखाओं का हुआ आयोजन / Rang Aur Rekhayein: One Day Painting and Poster Making Program	
2.	समझौता ज्ञापन/MoUs	7
	➢ विश्वविद्यालय ने पेनम लेबोरेट्री के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर / MoU with Penam Laboratories Ltd.	
	➢ एक साथ मिलकर काम करेंगे हकेंवि और यूआईयू, बांग्लादेश / CUH and UIU, Bangladesh Will Work Together, MoU Signed	
	➢ शोध व नवाचार के लिए आरएफआर फाउंडेशन के साथ काम करेगा हकेवि / MoU with RFR Foundation	
	➢ हकेवि ने शोध चक्र के लिए किया इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता / CUH Ties Up with INFLIBNET for Shodh-Chakra	
3.	CUH ADMISSIONS 2022-23	11
	➢ हकेवि सीयूईटी के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थी कर सकेंगे आवेदन / CUET 2022: Admissions to UG Courses at CUH	
	➢ परीक्षा पे चर्चा 2022 का हकेवि में हुआ लाइव प्रसारण / Pariksha Pe Charcha 2022: Live Broadcast in CUH	
	➢ हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर 431 उम्मीदवार / 431 Applicants per Seat for Undergraduate Courses at CUH	
4.	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला(Seminars/Conferences/Workshops)	14
	➢ हकेवि में विज्ञानोत्सव के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित / International Webinar Organised under Vigyanotsav	
	➢ परीक्षा में तनाव से राहत के लिए कार्यशाला आयोजित / Workshop Organised on “Stress Relief in Exams”	
	➢ ‘इक्नोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इक्नोमिक्स’ विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ / One-Week Workshop on “Econometrics for Research in Economics”	
	➢ प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर केंद्रित रही कार्यशाला / Workshop on the Future of Printing and Packaging Technology	
	➢ हकेवि में दो दिवसीय ‘गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान’ कार्यशाला का हुआ शुभारंभ / Two-Day Workshop “Gaudhan Vikas, Atmanirbhar Kisan Abhiyan”	
	➢ हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारम्भ / Two-Day National Seminar on “Extremism in Afghanistan and its Impact on India and the Asian Countries”	
	➢ हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारम्भ / Workshop on “Mental and Spiritual Strength”	
	➢ हकेवि में नैक जागरूकता कार्यक्रम पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन / Workshop on “NAAC Awareness Programme”	
	➢ हकेवि में ”पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण“ पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित / Workshop on “Capacity Building of Young Researchers for Nutrition Research”	
	➢ भारतीय ज्ञान परम्परा की पोषक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति- प्रो. आर.पी. तिवारी / Two-day National Seminar on “Education for Sustainable Development”	
	➢ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आईटीसी ग्रैंड भारत होटल का शैक्षणिक भ्रमण / Students Took an Educational Tour to the ITC Grand Bharat Hotel	

	➢ हकेवि में पहली राष्ट्रीय युवा संसद का हुआ आयोजन / 1st National Youth Parliament Organised in CUH	
5.	व्याख्यान (Extension Lectures)	28
	➢ हकेवि में व्यावसायिक नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Extention Lecture on "Professional Ethics"	
	➢ हकेवि में उद्यमिताः स्वावलंबी भारत की ओर एक कदम विषय पर व्याख्यान आयोजित / Lecture on 'Entrepreneurship: A Step towards Self-Reliant India'	
	➢ जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण ह्रास पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Expert Lecture on "Climate Change and Environmental Degradation"	
	➢ देश के विकास के लिए समाज में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण- जस्टिस सूर्यकांत / Expert Lecture Organised by Internal Complaints Committee and Women Empowerment Cell	
	➢ जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए- प्रो. कामाख्या कुमार / "Every act of life should be Yogic" - Prof. Kamakhya Kumar	
	➢ हकेवि में सोशल मीडिया मार्केटिंग स्ट्रैटर्जीज विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन / Expert Lecture on "Social Media Marketing Strategies"	
6.	शोध एवं प्रकाशन (Research and Publications)	34
	➢ ऑस्ट्रिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षक ने शोध कार्य किया प्रस्तुत / CUH Pharmacy Faculty Presented Research Work at an International Conference in Austria	
	➢ Research Publications	
	➢ M.Phil./Ph.D. Research Awarded	
7.	पुरस्कार और उपलब्धियाँ (Awards and Achievements)	37
	➢ रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन / Book Released by Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar	
	➢ हकेवि की शिक्षिका हुई कार्यशाला में शामिल / CUH Faculty Participated in an International Workshop	
	➢ स्किल चेम्पियनशिप में हकेवि छात्र गौतम गिरि ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन / CUH's Gautam Giri Gave Remarkable Performance in Skill Championship	
	➢ हकेवि की डॉ. पूजा यादव को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से मिली फैलोशिप / CUH Faculty Dr. Puja Yadav Selected for SIRE Fellowship	
	➢ हकेवि की डॉ. अमित कुमार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से मिली फैलोशिप / CUH Faculty Dr. Amit Kumar Selected for SIRE Fellowship	
	➢ ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेकिंग में हकेवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन / CUH Gives Remarkable Performance in EW India Higher Education Ranking	
	➢ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन ने संसद में रखे अपने विचार / Simran Chauhan Presented her Views in National Youth Parliament	
	➢ हकेवि के संकाय सदस्य को मिला रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022 / CUH Faculty Fetched Research Excellence Award-2022	
8.	उत्सव (Celebrations)	43
	➢ हकेवि में राम नवमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित / Special Program Organised on the Occasion of Ram Navami	

	➢ हकेवि अम्बेडकर जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित / An Event Organised to Celebrate the Legacy of Dr. B. R. Ambedkar	
	➢ हकेवि में मनाया गया बिहू त्यौहार / Bihu Festival Celebration	
	➢ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस / World Red Cross Day	
	➢ हकेवि में नारद जयंती पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Expert Lecture Organised on Narad Jayanti	
	➢ हकेवि में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ / Photography Competition on International Biodiversity Day	
	➢ हकेवि में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन / Poster Making Competition on World Environment Day-2022	
	➢ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने ली रक्तदान करने की शपथ / World Blood Donor Day	
	➢ हकेवि में आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन / 8th International Yoga Day Organised at CUH	
	➢ 'अखंड भारत संदेश यात्रा' को हकेवि कुलपति ने दिखाई हरी झंडी / 'Akhand Bharat Sandesh Yatra' was Flagged Off by CUH Vice-Chancellor	
9.	आरंभिकी और नवाचार (Initiatives and Innovations)	53
	➢ हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन / Two-Day Workshop and Exhibition on Cow-Based Products	
	➢ हकेवि परिसर में इको-फ्रेंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत / Eco-friendly E-rickshaw Service for CUH Campus	
	➢ हकेवि विद्यार्थियों ने कमोद गाँव का किया शोध भ्रमण / Research Tour to Kamod Village	
	➢ हकेवि में जेंडर जस्टिस पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित / Poster Making Competition on Gender Justice	
	➢ विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हकेवि में विशेष कार्यक्रम आयोजित / Awareness Program on World No Tobacco Day	
	➢ हकेवि में साइकिल यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश / Cycle Tour at CUH with a Message on Environment Protection	
	➢ जल संरक्षक जोड़ो अभियान की हुई शुरूआत / 'Jal Sangrakshak Jodo' Campaign Launched	
	➢ हकेवि में डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत पंजीकरण अब 30 जून तक / Registration under Dr. Ambedkar Centre of Excellence (CUH)	
	➢ कुलपति ने किया 'लर्निंग कर्व / सीयूएच डीएलआईएस' का विमोचन / Prof. Tankeshwar Kumar releases 'Learning Curve @ CUH DLIS'	
	➢ हकेवि मेगा हेल्थ कैंप आयोजित / Mega Health Camp Organised at CUH	
10.	प्रशिक्षण एवं संस्थापन (Training and Placements)	62
	➢ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट / Seven Students of the Central University of Haryana Got Placement	
	➢ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिला तीन दिन का औद्योगिक प्रशिक्षण / Students Received Three-Day Industrial Training	
	➢ हकेवि में विद्यार्थियों के लिए चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ / A Four-Week Training Program for Students	

हकेवि में रंग और रेखाओं का हुआ आयोजन

जून 02, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वीरवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएँ नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कैन्वस पर रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में भी प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिह्न बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने चित्रकारी कर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए इस आयोजन के लिए आयोजकों की भी सराहना की। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने रंगों व रेखाओं के माध्यम से शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थियों व अन्य प्रतिभागियों के द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने हम सभी को भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी में सुकून के कुछ पल प्रदान किए। यकीनन इस तरह के आयोजन अपने अंतर्मन के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन करते रहने के लिए आयोजन समिति को प्रेरित किया। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि यह एक ओपन कार्यक्रम था, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों के साथ विश्वविद्यालय कर्मचारियों के बच्चों व परिवारजनों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 80 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की जबकि आगंतुको की संख्या 72 रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य डॉ. दिलीप पटेल, आलेख एस नायक, शैलेंद्र सिंह, दिनेश चौहान व राजेश बंसल सहित सभी सहयोगी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

Rang Aur Rekhayein: One Day Painting and Poster Making Program

A one-day painting and poster making program was organised on June 02 (Thursday) at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, attended this event as the chief guest. As special guests, the convener of the Innovation and Incubation Centre (CUH), Prof. Sunita Srivastava, and Nodal Officer of *Azadi Ka Amrit Mahotsav* Campaign, Prof. Sarika Sharma, were also invited to address the students. Prof. Tankeshwar Kumar remarked that the *jugalbandi* of colours and lines on canvas had always been a powerful medium of expression and the manner in which the participants displayed their creative expressions in the event was commendable. He encouraged the participants by drawing the logo of the *Amrit Mahotsav* Campaign on a canvas. To make this event memorable, Prof. Sunita Srivastava showcased her artistic flair through a painting. She also appreciated the organisers for the event and boosted up the enthusiasm of the participants. Dean of Education Chair, Prof. Sarika Sharma, while appreciating the paintings prepared by the teachers, staff, students, researchers and other participants, said that this event provided some moments of relaxation to all of us in our otherwise busy and stressful lives. The Convener of the Organising Committee, Dr. Amit Kumar, said that it was an open

program in which the students, teachers, non-teaching staff of the university along with the children and family members of the university employees participated enthusiastically. Around 80 participants actively participated in the program, while the number of visitors was 72. In the end all the participants were awarded with certificates. On this occasion, Organising Committee member, Dr. Siddharth Shankar Rai, expressed his gratitude to the participants and his colleagues for the success of this event.

विश्वविद्यालय ने पेनम लेबोरेट्री के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

अप्रैल 12, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और पेनम लेबोरेट्री लिमिटेड, धारुहेडा अब विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु मिलकर काम करेंगे। इस संबंध में दोनों ही संस्थानों में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आपसी साझेदारी स्थापित की है। इस साझेदारी के अंतर्गत विद्यार्थियों के समक्ष बायोमेडिकल साइंसेज से संबंधित औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण की चुनौती का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत हकेवि के विद्यार्थियों को कौशल विकास, रोजगार से पूर्व आवश्यक औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली पेनम लेबोरेट्री का सहयोग मिलेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा और पेनम लेबोरेट्री की ओर से डायरेक्टर ऑपरेशन्स श्री विकास पाण्डेय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उद्योग जगत के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं के विकास में सहयोग मिलेगा और उनके लिए पढ़ाई के बाद इंडस्ट्री में उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कौशल एवं व्यावसासिक अध्ययन विभाग के संयोजक प्रो. पवन मौर्य, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के संयोजक डॉ. विकास सैनी भी उपस्थित रहे।

MoU with Penam Laboratories Ltd.

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Penam Laboratories Ltd. will now work for the training and placement of students. This MoU will cater for the recent industrial needs of the students for bridging the gap between industry and academia to fulfil the objective of the B.Voc. Biomedical Sciences program at the University. In today's scenario, students are facing the problems as they are not acquainted with an industrial environment. This MoU will strengthen their skills by providing hands-on training & internship at Penam Laboratories Ltd., Dharuhera. Penam Laboratories Ltd. is a reputed and leading API manufacturer pharmaceutical industry with state of art facilities for providing advanced training to students in the various fields of biopharmaceuticals.

The MoU was signed by Prof. Sarika Sharma, Registrar, while Mr Vikas Pandey, Director-Operations signed on behalf of Penam Laboratories Ltd. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana said that the objective of this MoU is to provide students with direct exposure of the functioning of the industry. He said that our students would be able to enrich their knowledge and industrial skills to fulfil recent industrial requirements. Under this effort, the way will be paved and students of B.Voc Biomedical Sciences will move a step ahead to get industrial exposure. Prof. Sarika Sharma, Registrar; Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics; Prof. Pawan K. Maurya, Coordinator, Department of Vocational Studies and Skill Development; and Dr Vikas Saini, Coordinator, B.Voc Biomedical Sciences, were also present on the occasion of this partnership which took place for signing this MoU.

एक साथ मिलकर काम करेंगे हकेंवि और यूआईयू, बांग्लादेश

April 14, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और यूनाईटेड इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बांग्लादेश अब विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु मिलकर काम करेंगे। इस संबंध में दोनों ही संस्थानों में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आपसी साझेदारी स्थापित की है। इस साझेदारी के अंतर्गत दोनों ही संस्थान विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारियों के शिक्षण, शोध व प्रशिक्षण के स्तर पर मिलकर प्रयास करेगें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और यूनाईटेड इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी बांग्लादेशकी ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चौधरी मो.फिजुर रहमान ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य दोनों ही विश्वविद्यालयों के उपलब्ध संसाधनों का मिलकर प्रयोग सुनिश्चित करना है। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी व विद्यार्थियों के लिए एक-दूसरे विश्वविद्यालय में अध्ययन के विकल्प विकसित किए जाएंगे । दोनों विश्वविद्यालय मिलकर विभिन्न सम्मेलन, संगोष्ठी और संयुक्त पब्लिकेशन के लिए भी कार्य करेंगे।

इस मौके पर उपस्थित यूनाईटेड इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बांग्लादेश के सीआईएपी की अस्टिेन्ट डायरेक्टर जेनिका हुसैन ने कहा कि दोनो विश्वविद्यालय अब मिलकर संयुक्त अनुधान आधारित प्रोजेक्ट कर सकेगे। और इसके माध्यम से दोनों ही विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक शोधर्थियों के अंन्तराष्ट्रीय स्तर पर साझेदारी के साथ काम के अवसर उपलब्ध होगें। इस मौके पर हरियाणा केंन्द्रीय विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, पर्यटन एंव होटल प्रबंधन के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह व पर्यावरण अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा भी उपस्थित थी।

CUH and UIU, Bangladesh Will Work Together, MoU Signed

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh and United International University (UIU), Bangladesh will now work together for the holistic development of the students. In this regard, both institutions have established a mutual partnership by signing a Memorandum of Understanding (MoU). Under this partnership, both the institutes will make efforts together at the level of teaching, research, and training of students, teachers, and employees. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH and Prof. Choudhary Mohd. Fizur Rahman, Vice-Chancellor, UIU signed the MoU. On this occasion, Prof. Tankeshwar Kumar said that the objective of this partnership is to ensure that the available resources of both universities are used together. Through this MoU, the facility for the international study of students of both Universities will be available and the options of study in both universities will be developed for the students. The two universities will also work together for various conferences, seminars, and joint publications. Present on the occasion, CIAP's Assistant Director at United International University, (Bangladesh), Jenika Hussain said that both Universities will now be able to do joint research-based projects. And through this, opportunities will be available to work with the students of both of the universities, teachers, and researchers in partnership at the international level. On this occasion, Finance Officer of the Central University of Haryana Dr Vikas Kumar, Dean Research Prof. NeelamSangwan, Head of the Department of Tourism and Hotel Management Dr Ranbir Singh, and Head of Department of Environmental Studies Dr Mona Sharma were also present.

शोध व नवाचार के लिए आरएफआर फाउंडेशन के साथ काम करेगा हकेवि

अप्रैल 26, 2022

शोध व नवाचार के क्षेत्र में विश्व स्तर पर जारी प्रयासों को गति प्रदान करने और उसमें भारतीय दर्शन, भारतीय द्वष्टि और उसमें भारतीयता के भाव के विकास हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और रिसर्च फॉर रिसर्जेन्स (आरएफआर)

फाउंडेशन, नागपुर मिलकर काम करेंगे। इस संबंध में दोनों ही संस्थानों ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर साझेदारी स्थापित की है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और आरएफआर फाउंडेशन की ओर से सचिव श्री राजेंद्र पाठक ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय व आरएफआर फाउंडेशन के बीच यह समझौता विश्वेश्वरय्या राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्था (वीएनआईटी), नागपुरमें आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर व आरएफआर फाउंडेशन के डायरेक्टर जनरल डॉ. राजेश बिनिवाले भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य दोनों की संस्थानों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर शोध क्षेत्र में विद्यार्थियों, शिक्षकों की क्षमताओं के विकास हेतु प्रयास करना है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के अंतर्गत दोनों ही संस्थान मिलकर संगोष्ठी, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न सुधारों के स्तर पर काम करेंगे और भारतीयता आधारित शिक्षा व्यवस्था के विकास हेतु कार्य करेंगे। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दोनों की संस्थानों के बीच विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों के स्थानांतरण कार्यक्रम का भी प्रावधान है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम सें भारतीय शिक्षा व्यवस्था में भारतीय सोच व संस्कृति के योगदान को ध्यान में रखते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने हेतु काम किया जाएगा। दोनों ही संस्थानों के बीच विभिन्न गतिविधियों के सफलतम संचालन हेतु विशेष रूप समन्वय स्थापित करते हुए सालभर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए विभिन्न आयोजन करने की योजना है।

MoU with RFR Foundation

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh and Research for Resurgence (RFR) Foundation, Nagpur will work together to give impetus to the ongoing efforts in the field of research and innovation-based technology, ensuring Bhartiya perspective, philosophy and applicability. Both institutions have established partnerships by signing the Memorandum of Understanding (MoU). Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH and Shri Rajendra Pathak, Secretary RFR Foundation, signed the MoU on behalf of their institutions. The MoU between the University and RFR Foundation took place in a program organised in Visvesvaraya National Institute of Technology (VNIT), Nagpur. Shri Mukul Kanitkar, Organising Secretary, Bharatiya Shikshan Mandal and Dr. Rajesh Biniwale, Director General of RFR Foundation, were also present on this occasion. Prof. Tankeshwar Kumar said that the purpose of this partnership is to establish mutual coordination between the two institutions and make efforts to develop the abilities of students and teachers in the field of research and innovation. He said that under this agreement, both the institutions will work together on the level of various reforms in the field of education along with seminars, workshops, and conferences and will work together for the development of a Bharatiya based education system. Prof. Tankeshwar Kumar said that through this MoU, work will be done to determine the future direction keeping in mind the contribution of Indian thinking and culture to the Indian education system.

हकेवि ने शोध चक्र के लिए किया इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता

मई 31, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने इंफ्लिबिनेट, गांधीनगर के साथ शोध चक्र की सुविधाओं को उपलब्ध करवाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। हाल ही में इंफ्लिबिनेट के द्वारा शुरू की गई इस नई सुविधा के संबंध में दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीकी विकास और इसके सर्वोत्तम उपयोग शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकता है। इस संबंध में शोध चक्र की सुविधा यकीनन विद्यार्थियों व उनके पथप्रदर्शकों के लिए उपयोगी साबित होगी। कुलपति ने इस समझौते के लिए इंफ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल का आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक खंड चार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व इंफ्लिबिनेट की ओर से प्रो. जे. पी. सिंह जुरैल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि अब समय बदल रहा है और फाइलों में रहने वाले रिसर्च संबंधी जानकारी अब ऑनलाइन माध्यम से संग्रहित किए जाने लगी हैं। शोध चक्र ऐसा ही एक प्रयास है जिसका लाभ विद्यार्थियों और उनके शोध निर्देशकों को प्राप्त होगा और वे एक मंच पर शोध कार्य का आंकलन, संशोधन सुनिश्चित कर पाएंगे। प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल ने अपने संबोधन में कहा कि यह माध्यम पूरी तरह से इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा और समूचा शोध कार्य ऑनलाइन माध्यम से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत शोध संबंधी सहयोग सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी जोकि कार्य की गुणवत्ता में इजाफा करेगी।

इससे पूर्व पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने शोध चक्र के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस सुविधा के अंतर्गत तकनीकी रूप से उपलब्ध अत्याधुनिक शोध कार्य में सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इससे गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर रेलेवेन्स ऑफ रंगनाथन्स एप्रोचेज टू द मॉडर्न डे इंफोरमेशन वर्ल्ड विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का पोस्टर भी जारी किया गया। यह प्रतियोगिता सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली, डीआरटीएस, बैंगलुरू सरदा रंगनाथन एंडोमेंट फॉर लाइब्रेरी साइंस, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नॉलेज आर्गनाईजेशन, आईएफएलए सेक्शन ऑन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग और डीआईएलएस यूनिवर्सिटी ऑफ केलेनिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने दिया। प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल का परिचय प्रो. सारिका शर्मा व कुलपति महोदय का परिचय प्रो. दिनेश कुमार ने किया। मंच का संचालन डॉ. दिनेश चहल ने किया।

CUH Ties Up with INFLIBNET for Shodh-Chakra

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has become the first University in the country to provide Shodh-Chakra facilities with INFLIBNET Centre, Gandhinagar. Recently both institutions signed MoU regarding this new facility launched by INFLIBNET Centre. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University, said that technological development and its best use can help in achieving remarkable results in the field of research and innovation. The facility of Shodh-Chakra will surely prove useful for the students and their mentors. For this agreement, the Vice-Chancellor expressed his gratitude to Prof. J.P. Singh Joorel, Director, INFLIBNET Centre.

In the program organised by the Department of Library and Information Science of the University, Prof. Tankeshwar Kumar and on behalf of the INFLIBNET Centre Prof. J.P. Singh Joorel signed the MoU. The Vice-Chancellor said that now the time is changing and research-related information residing in files is now being collected through online mediums. Shodh-Chakra is one such effort which will benefit the students and their research supervisor and they will be able to ensure the assessment, and revision of research work on a single platform. Prof. J.P. Singh Joorel in his address said that this platform will work in a completely interactive mode and that the entire research work will be safe through online mode. Prof. Dinesh Kumar Gupta, HoD, Department of Library and Information Science also informed about the Shodh-Chakra and its uses.

CUH ADMISSIONS 2022-23

हकेवि सीयूईटी के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थी कर सकेंगे आवेदन

अप्रैल 01, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत 02 अप्रैल, 2022 से आरंभ हो रहे हैं। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए 30 अप्रैल 2022 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया 2 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगी। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। उन्होंने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विवरण शीघ्र ही जारी किया जाएगा। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बी.वॉक. रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बी. एससी. एम.एससी. केमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स, फिजिक्स, बी.एससी. (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

CUET 2022: Admissions to UG Courses at CUH

Admissions to undergraduate courses at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh for the Academic Session 2022-23 began from April 2, 2022 under the Common University Entrance Test (CUET). Students willing to take admission in the University applied for this entrance exam through online mode. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, said that the University is striving towards teaching-learning, research, innovation and skill development of the youth according to the National Education Policy.Prof. Phool Singh, Nodal Officer of CUET in the University, informed that the University Grants Commission (UGC) has introduced Common Entrance Examination for various universities for admission to undergraduate courses through National Examination Agency (NTA). He informed that the details for admission to postgraduate courses would be released soon. He further added that for the session 2022-23, CUH has offered the following undergraduate courses: B.Tech. Civil Engineering, Electrical Engineering, Computer Science Engineering, Printing and Packaging Technology; B.Voc. Retail and Logistics Management, Industrial Waste Management, Biomedical Sciences; Integrated B.Sc. M.Sc. Chemistry, Mathematics, Physics; and B.Sc. (Hons.) Psychology.

परीक्षा पे चर्चा 2022 का हकेवि में हुआ लाइव प्रसारण

अप्रैल 01, 2022

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनाव मुक्त रहने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का एक सहज हिस्सा है, जीवन का एक पड़ाव है। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को बताया कि कैसे परीक्षा के दौरान त्यौहार का वातावरण इसके तनाव से बचें। 'परीक्षा पे चर्चा 2022' का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में लाइव प्रसारण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता व अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए टिप्स विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रखने में अवश्य ही मददगार साबित होंगे।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा एनएसएस इकाई के सहयोग से विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूल चंद शर्मा सभागार, मिनी ऑडिटोरियम, शिक्षा पीठ के सेमिनार हॉल और प्रशासनिक भवन के सेमिनार हॉल में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा के दौरान तनाव, ऑनलाइन शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति आदि विषयों पर दिए गए टिप्स विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक देखा।

Pariksha Pe Charcha 2022: Live Broadcast in CUH

The Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, during the popular program '*Pariksha Pe Charcha'* on Friday, April 01, gave tips to the students to stay stress free during their exams. The event was telecasted live at Professor Mool Chand Sharma Auditorium, Mini Auditorium, Seminar Hall of Education Chair, and Seminar Hall of Administrative Building in the campus. Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, appreciated this program for being very useful for the students as well as for their parents and guardians. He said that the tips given by the Prime Minister would definitely prove helpful in keeping the students stress free during the examination time. Dean of Students Welfare, Prof. Anand Sharma, said that the tips given by the Prime Minister on topics like stress, online education, National Education Policy etc. during the examination would infuse new energy among the students.

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर 431 उम्मीदवारअ

-सबसे अधिक बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 60 सीटों के लिए आए 71624 आवेदन

-स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने किया आवेदन

अप्रैल 03, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर उपलब्ध विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है। शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है। बीती 31 मई को खत्म हुई आवेदन प्रक्रिया के पश्चात हकेवि में उपलब्ध 11 स्नातक व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस तरह औसतन हर सीट पर 431 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। जहां तक बात सबसे अधिक आवेदनों की है तो विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 60 सीटों के लिए कुल 71624 आवेदन आए हैं। इस तरह इस कोर्स में हर सीट पर 1193 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सीयूईटी 2022 के अंतर्गत आयोजित इस दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रति आवेदकों के रूझान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बीते 13 सालों में विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों के इस उल्लेखनीय रूझान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इस उपलब्धि के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2022 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर 11 पाठ्यक्रमों के लिए कुल 212722 आवेदन प्राप्त हुए। यह आवेदन प्रक्रिया 2 अप्रैल से शुरू होकर 31 मई तक चली और इस प्रक्रिया के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देशभर के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किए गए। प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए जल्द ही तिथियों की घोषणा की जाएगी। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और यह प्रक्रिया भी सीयूईटी के माध्यम से की जा रही है। जिसके लिए आगामी 18 जून तक आवेदन किया जा सकता है।

सीयूईटी 2022 के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय पूर्व मे भी विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्तर पर आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही अपने यहां दाखिले करता रहा है। इस बार स्नातक की 493 सीटों के लिए 212722 आवेदन आए हैं जो कि एक रिकॉर्ड है। इस बार इस प्रवेश परीक्षा में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान अपने यहां उपलब्ध स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए दाखिले करने जा रहे हैं।

क्रमांक	पाठ्यक्रम	उपलब्ध सीटें	आवेदन की संख्या
1	बी.एससी. ऑनर्स इन साइक्लोजी	30	9681
2	बी.टेक.-सिविल इंजीनियरिंग	60	21714
3	बी.टेक.- कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	60	71624
4	बी.टेक.- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	60	25708
5	बी.टेक.-प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी	30	8022
6	बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस	50	7854
7	बी.वॉक.इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट	50	4726
8	बी.वॉक. रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट	63	6232
9	बी.एससी.एम.एससी. केमेस्ट्री	30	18476
10	बी.एससी.एम.एससी. गणित	30	20249
11	बी.एससी.एम.एससी. फिजिक्स	30	18436
		कुल 493	**212722**

431 Applicants per Seat for Undergraduate Courses at CUH

- **B.Tech. Computer Science and Engineering: 71624 applicants for 60 seats**
- **For 493 seats in undergraduate courses, more than 2 lakh applicants**

To get admission in various undergraduate programmes (for the session 2022-23) available at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, there is a tremendous competition among the students from all over the country. As per the direction of the Ministry of Education and the University Grants Commission, Central University of Haryana is taking admissions for undergraduate courses under the Common University Entrance Test (CUET) 2022. After the last date (May 31) for submitting applications, it was found that CUH received 2 Lakh, 12 Thousand, 722 applications for a total of 493 seats in 11 undergraduate and integrated courses at CUH. As far as the maximum number of applications are concerned, a total of 71624 applications have been received against the 60 seats of B.Tech. Computer Science and Engineering, which means 1193 applicants are willing to take admission on every seat in this programme. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, said that it is an indicator of the progress of the University in the last 13 years. Expressing happiness over this remarkable moment, he said that it is definitely a matter of pride for the University, and with this achievement our responsibility has also increased. Prof. Rajiv Kumar, Controller of Examinations, informed that under CUET 2022, a total of 212722 applications were received for 11 undergraduate programmes. He said that in the next phase of the application process, the entrance exam will be conducted for which the dates will be announced soon. The application process for postgraduate courses in addition to the undergraduate courses available in the University is underway and this process is also being done through CUET for which applications can be submitted till June 18. Prof. Phool Singh, Nodal Officer, CUET-2022 (CUH), said that since the last year the University has been conducting admissions through the Central University Common Entrance Test (CUCET) held at the level of various Universities. In this session, 212722 applications have been received for 493 seats of undergraduate courses, which is a record in itself. This time most of the central universities like University of Delhi, Jawaharlal Nehru University are going to conduct admissions through CUET for their undergraduate and postgraduate courses.

हकेवि में विज्ञानोत्सव के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

अप्रैल 8, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विज्ञानोत्सव मनाया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा मेटा-अनालिसिस विद एन एप्लिकेशन विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार का उद्देश्य सांख्यिकीय मेटा-विश्लेषण की अवधारणा से प्रतिभागियों को अवगत कराना रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वेबिनार के माध्यम से उचित शोध पद्धति और विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों को लागू करके उनके विश्लेषण में अवश्य मदद मिलेगी। वेबिनार में यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलेंड के प्रो. बिमल सिन्हा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विशेषज्ञ प्रो. बिमल सिन्हा ने कहा कि सांख्यिकीय मेटा-विश्लेषण वैध सांख्यिकीय विधियों को विकसित करने से संबंधित है जिनका उपयोग कई स्वतंत्र अध्ययनों के परिणामों को एक समान लक्ष्य के साथ संयोजित करने के लिए किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार व आयोजन सचिव डॉ. कपिल कुमार ने बताया कि वेबिनार में सांख्यिकीय मेटा-विश्लेषण की आवश्यकता वाले विभिन्न परिद्वश्यों और एप्लिकेशन्स पर चर्चा होगी। वेबिनार के आयोजन में समिति सदस्यों डॉ. मनोज कुमार व डॉ. रविंद्र सिंह ने सक्रिय भागीदारी की। वेबिनार में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

International Webinar Organised under Vigyanotsav

Vigyanotsav was celebrated at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh under which an International Webinar on Meta-analysis with an Application was organised by the Department of Statistics. The objective of the webinar was to introduce the participants to the concept of statistical meta-analysis. University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that proper research methodology and various statistical techniques can be learnt through webinars and their application will help in data analysis. In the webinar, University of Maryland Prof. Bimal Sinha was present as an expert speaker. Addressing the webinar organised under Azadi Ka Amrit Mahotsav, expert Prof. Sinha stated that statistical meta-analysis is concerned with developing valid statistical methods that can be used to combine the results of multiple independent studies with a common goal. On this occasion, the Registrar of the University and Nodal Officer of Azadi Ka Amrit Mahotsav, Prof. Sarika Sharma and HoD of Department of Statistics, Prof. Vinod Kumar were present. Program Coordinator Dr Devendra Kumar and Organising Secretary Dr Kapil Kumar informed that various scenarios and applications requiring statistical meta-analysis will be discussed in the webinar. Committee members Dr Manoj Kumar and Dr Ravindra Singh actively participated in organising the webinar. In the webinar, along with the participants of various educational institutions, the Deans, Heads of Departments, teachers, students and researchers of various departments of the University were also present.

परीक्षा में तनाव से राहत के लिए कार्यशाला आयोजित

अप्रैल 13, 2022

आधुनिक युग में जो भौतिक सुख-सुविधाओं मे उन्नति हुई है, उसका श्रेय निश्चय ही विज्ञान एवं तकनीकी को जाता है, परंतु इतनी सुख-सुविधाओं के बाद भी हम सबको एक प्रश्न अवश्य प्रतिदिन सोचना चाहिए कि क्या हम स्वस्थ हैं ? क्या हम खुश है ? क्या हम प्रकृति द्वारा उत्पन किए गए प्राकृतिक स्त्रोतों का उचित लाभ उठा रहे है ? क्या हम अपने लक्ष्य की तरफ अग्रसर है ? तनाव रहित मन और रोग रहित शरीर सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है। लेकिन घर में और स्कूल में हमने कभी ये नहीं सीखा है कि कैसे नकारात्मक विचारों एवं भावनाओं को कैसे संभाले ? वर्तमान में हमारे विद्यार्थी परीक्षा को लेकर बड़ी चिंता अवसाद एवं नकारात्मक विचारों का शिकार हो रहे है। बढ़ती प्रतियोगिता के कारण यह समस्या और भी विकट होती जा रही है। इसका एक ही उपाय है कि स्वयं को पहचाने ताकि कि ध्यान एवं सकारात्मक ऊर्जा हर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में कुछ समय

स्वयं को अवश्य दें। उक्त विचार हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्यान एवं कल्याण कल्ब द्वारा आयोजित कार्यशाला के दौरान संदेश के माध्यम से व्यक्त किए। कार्यक्रम में ध्यान एवं कल्याण शिक्षिका एवं ओरेंज बिजनेस सर्विसेज की वरिष्ठ विशेषज्ञ सुश्री मेघा मेहता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ध्यान, योग, सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शक्तियों का बेहतर उपयोग, चिंता, अवसाद एवं नकारात्मक विचारों से परीक्षा के दौरान कैसे दूर रहें आदि विषयों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार की शारीरिक तथा मानसिक क्रियाओं का सजीवता से करके भी दिखाया। जिनका विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने तथा शिक्षको ने अभ्यास किया। इन क्रियाओं मे भ्रसिका, ध्यान, योग क्रियाएं आदि प्रमुख रहे। उन्होंने बताया कि ध्यान एवं योग द्वारा मनुष्य जो चाहे हासिल कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बडे तथा योग एवं ध्यान को जीवन का विभिन्न अंग बनाए। कार्यशाला में प्रो. पवन मौर्या विभागाध्यक्ष जैव रसायन विभाग ने स्वागत भाषण दिया तथा डॉ. विकास सैनी, बायोमेडिकल साइंस विभाग ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। कार्यशाला में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. दिनेश कुमार डीन एकेडमिक, डॉ. जसवंत कुमार, डॉ. विकास मोहन, डॉ. रिचा, श्री प्रदीप चौहान, श्री सुनील अग्रवाल सहित विभिन्न विभाग के शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Workshop Organised on "Stress Relief in Exams"

In the modern era, the credit for the progress in material comforts goes to science and technology, but even after so many amenities we all must ask a question every day: are we healthy and happy? At present, our students are falling prey to deep anxiety, depression and negative thoughts about the examination. This problem is getting worse due to increasing competition. The only way to recognize yourself is through meditation and giving positive energy to oneself on a daily basis. The said idea was given by the Vice-Chancellor of the Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar. He expressed this through a message during the workshop organised by the Meditation and Wellness Club. Ms Megha Mehta, a meditation and wellness teacher and senior expert of Orange Business Services, was present in the program as the keynote speaker. She elaborated on the topics of meditation, yoga, positive energy, better use of mental powers, and how to stay away from anxiety, depression and negative thoughts during the examination of the students at the university. She said that through meditation and yoga one can achieve whatever he or she wants. Addressing the students, she advised them to move ahead with positive energy and make yoga and meditation parts of their lives.

'इक्नोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इक्नोमिक्स' विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

अप्रैल 25, 2022

भारत के आर्थिक विकास में अर्थशास्त्र और इससे जुड़े विशेषज्ञों के योगदान का महत्त्व हमेशा से ही अहम रहा है। आज के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को रफ्तार प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि इस क्षेत्र में होने वाला अध्ययन कार्य समय की आवश्यकताओं के अनुरूप हो और इसके लिए शैक्षणिक स्तर पर शोध व नवाचार के क्षेत्र में विशेष प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार से शुरू साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इक्नोमेट्रिक्स फॉर रिसर्च इन इक्नोमिक्स विषय पर पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व प्रोफेसर गणेश कावडिया उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अंतर्गत आने वाले अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गणेश कावडिया ने इक्नोमेट्रिक्स से संबंधित किताबी व व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियो को इसके महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने अपने संबोधन में विषय की महत्ता के साथ-साथ बदलते समय में आर्थिक विकास हेतु उसके महत्त्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण कार्यशाला

के निदेशक व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजीत कुमार साहु ने इस आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। आयोजन में मंच का संचालन सह-संयोजक व सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग की सहायक आचार्यसुश्री रेणु ने दिया। कार्यशाला निदेशक ने बताया कि आगामी 29 अप्रैल तक चलने वाली इस कार्यशाला में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 100 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया और इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

One-Week Workshop on "Econometrics for Research in Economics"

The importance of the contribution of economics and its experts in the economic development of India has always been important. To accelerate economic development at the global level, the work done in this area must be according to the contemporary needs for which special efforts will have to be made in the field of research and innovation at the academic level. This view was shared by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh while addressing the inaugural session of the one-week workshop started on Monday. In this workshop Prof. Ganesh Kawadia, former Professor of Devi AhilyaVishwavidyalaya, Indore, was present as an expert speaker. The workshop was organised by the Department of Economics. Prof. Kawadia elaborated on the theoretical and practical aspects related to Econometrics and made the participants aware of its importance. He gave detailed information about the importance of the subject as well as its importance for economic development in the changing times. The welcome speech was presented by Prof. Ranjan Aneja, Director of the workshop and the Head of the Department. Dr Ajeet Kumar Sahoo, Assistant Professor and Co-ordinator of the workshop presented the outline of the event. Dr RashmiTanwar, Co-convener and Assistant Professor conducted the stage at the event, while the vote of thanks was given by Ms Renu, Assistant Professor of the department. The Workshop Director said that more than 100 participants from various educational institutions in the country are participating in this workshop, which will run till April 29 through online and offline mediums. On the occasion of the inaugural session of the workshop, Prof. Anand Sharma, Dean of the School of Business and Management, and Prof. Sarika Sharma, Dean, School of Education, were present along with teachers, students and researchers of other departments.

प्रिंटिंग एड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर केंद्रित रही कार्यशाला

मई 5, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्रइवेट लिमिटेड

के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Workshop on the Future of Printing and Packaging Technology

A one-day workshop was organised by the Printing and Packaging Department of the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In the workshop organised on the future nature of printing and packaging Technology, University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar was present as the chief guest. In his address, he said that teaching and training in printing and packaging technology are available in very few places. In a situation when every field is using this technology, its bright future is understandable. Therefore, there are immense possibilities for the future of the youth trained in this field. The keynote speaker in the workshop was Prof. Anjan Kumar Baral from Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar. Prof. Baral said that with the help of new technology, positive changes are possible in this area and the waste at the packaging level can also be reduced. Mr Neeraj Sharma of Fortuner Packaging Private Limited said that there are huge employment opportunities available in the field of Printing & Packaging. After studying in this course, not only the job but self-employment is also a very profitable deal. The Dean of the School of Engineering and Technology, Prof. Phool Singh thanked the teachers of the Department of Printing and Packaging Technology for organising this workshop and said that through such events the students will certainly get an opportunity to know and understand various changes for the necessary preparation for the future. In-charge of the department Sandeep Bura, Acharya Shammi Mehra, Anil Kundu, Tarun Singh and Nishan Singh played an important role in organizing the workshop.

हकेवि में दो दिवसीय 'गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान' कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

मई 6, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गाँवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कुलपति ने इस अवसपर पर स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढ़कर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। कुलपति ने इस मौके पर कहा कि इस कोशिश में विश्वविद्यालय, स्थानीय प्रशासन प्रतिभागियों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर है। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने अपने

संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्यवयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुँचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंनें आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके मॉडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गौशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गौशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गौधन आध ाारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। इस मौके पर उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाडवा गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Two-Day Workshop "*Gaudhan Vikas, Atmanirbhar Kisan Abhiyan*"

A two-day workshop and exhibition of cow dung products started at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Shyam Lal Punia, Deputy Commissioner, Mahendergarh and Dinesh Kumar, SDM, participated as guests of honour in this workshop organised by the Centre for Innovation and Incubation of the University. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that **Gaudhan** has been a symbol of balance since ancient times. He said that these kinds of workshops are important for building a self-reliant India and it would be possible to raise the necessary awareness for farmers in the field of agricultural development which is extremely necessary to achieve the goals of self-reliant villages, districts, states and countries. Shri Shyam Lal Punia thanked the Vice-Chancellor and the organisers and said that such efforts would help in the development of Gaudhan and the training of farmers. He emphasised upon establishing coordination between agriculture and scientists and farmers for remarkable results in the field of agriculture. Shri Dinesh Kumar, SDM said that the district administration is always ready to actualize the efforts of the University in any subject related to the masses. Prof. Sunita Srivastava, Convener, Innovation and Incubation Centre, said that various dimensions of Gaudhan development would be discussed through this workshop. Prof. Sunil Kumar, Registrar, mentioned the contribution of agriculture to the Indian economy, the development of farmers,

and their contribution to building India. He said that the farmer is constantly striving for the welfare of mankind despite various challenges and the University will continue to organise such events in the future for their cooperation. Prof. Dinesh Kumar, Dean of Academics said that he is constantly working in the field of agricultural development and through the Central University of Haryana. Dr Ramesh Yadav from Krishi Vigyan Kendra, Mahesh Yadav and Mohan Sharma, Manager of Ladwa Gaushala through their address made the participants aware of the practical aspects along with the technical changes on the front of agriculture and dairy development. During the program, the stage was moderated by Sunil Agarwal of Innovation and Innovation Center and a vote of thanks was given by Dr Dinesh Chahal, Associate Professor. Representatives of Jant, Pali, Bhurjat, Dholi and Khudana villages, including the Deans of various Schools of the University, heads of the departments, teachers, officers and employees, were present at the event.

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारम्भ

मई 13, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवत्रन देखने को मिलता है। एक निध ारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने अपने संबोधन में तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्त्वपूण f बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में अफगानिस्तान की मौजूदा परिस्थितियों और उसके लिए जिम्मेदार कारणों पर भी प्रकाश डाला। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहुगुणा ने प्रतिभागिता की तथा अफगानिस्तान में बदले हालातों इसमें अमेरिका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। इसके अलावा प्रतिभागी वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Two-Day National Seminar on "Extremism in Afghanistan and its Impact on India and the Asian Countries"

A two-day national seminar focusing on 'Extremism in Afghanistan and its Impact on India and the Asian Countries' was inaugurated at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. While addressing the inaugural session of the seminar sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and organised in collaboration with the Centre for the Study of Ladakh and Jammu and Kashmir, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH said that this seminar will help us to understand the causes of the changed situation in Afghanistan and its impact on the country as well as on the world. He maintains that experts involved in the event would help in answering the curiosity of the participants towards this topic. Capt. Alok Bansal, Director, India Foundation and keynote speaker of the seminar, pointed at the changing situation in Afghanistan and its implications for India and Asia. In addition to the inaugural session held on the first day, Prof. Sanjay Srivastava from Banaras Hindu University, Prof. Manish from Central University of Gujarat and writer Ms Nidhi Bahuguna participated in other sessions. Researchers from various universities and educational institutes also presented their research papers at this event. At the end of the program Dr Ramesh Kumar, HOD, Department of Political Science, presented the vote of thanks. Deans of various schools of the University, HODs, faculty members, students and researchers were present on this occasion. At the beginning of the program, Dr Shantesh Kumar Singh, Associate Professor, presented the welcome address. The outline was presented by the Organising Secretary Dr Rajeev Kumar Singh.

हकेवि में 'मानसिक व आत्मिक सबलता' पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

मई 18, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। स्वःजागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढावा देना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो।

कुलपति ने इस अवसर पर मशीनों द्वारा लोगों के व्यवहार को प्रभावित किए जाने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसमें व्यवहारिक समस्याओं के निदान हेतु प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता है। आयोजन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से व्यवहारिक स्तर पर उपस्थित होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निदान सहज होता है। कुलसचिव ने विभाग के इस प्रयास को इस दिशा में उपयोगी बताया।

इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में बिजनेस एक्सपर्टव बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर व अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान उपस्थित रहीं। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वी.एन. यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा व स्नेहा मित्तल ने किया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ प्रीति चौहान ने विभिन्न गतिविधियों के

माध्यम से एम्पिथि लेवल की जांच की। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहअचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. रितु शर्मा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। उद्घाटन सत्र के अंत में डॉ. रवि पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Workshop on "Mental and Spiritual Strength"

A two-day workshop on "Mental and Spiritual Strength" in the Department of Psychology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was inaugurated on Wednesday. The purpose of this workshop was to discuss the problems related to the behavioural psychology of people under stress and to promote their mental and spiritual strength. University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that this topic is very contemporary and given the changed circumstances after the Corona period, special efforts are necessary in this direction. He said that the knowledge of psychology is very important and for its usefulness, it must be spread more and more. The Vice-Chancellor also highlighted the impact of machines on the behaviour of the people. He said that times are changing rapidly and there is a need for trained experts to diagnose practical problems. University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that this effort of the department is very remarkable and through such events, it is easy to diagnose the psychological problems present at the practical level. The Registrar described this effort of the department as useful in this direction. Business Expert and Behaviour Analyst Archana Memgain Jain, Psychologist and teacher Avneet Kaur and Executive Director Avanya Preeti Chauhan were present as experts in this workshop. The workshop started with lamp lighting and Saraswati Vandana. The Head of the Department of Psychology of the University, Dr V.N. Yadav apprised the participants of the usefulness of the workshop. The stage was conducted by the research scholars of the department, Ritika Verma and Sneha Mittal. During the workshop, expert Preeti Chauhan checked the empathy level through various activities. Associate Professor Dr Payal Chandel, Assistant Professor Dr Vishnu Narayan Kucheria, Dr Pradeep Kumar and Dr Ritu Sharma played an important role in organising the workshop. At the end of the inaugural session, Dr Ravi Pandey gave the vote of thanks.

हकेवि में नैक जागरूकता कार्यक्रम पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन

मई 22, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने मूल्यांकन और प्रत्यायन के लिए नैक जागरूकता कार्यक्रम (एनएपी) पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गुणवत्ता केवल एक बार की गतिविधि नहीं है बल्कि यह निरंतर और सामूहिक प्रयास है। उन्होंने विश्वविद्यालय को एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय में बदलने के लिए विश्वविद्यालय की गुणवत्ता में सुधार के लिए सामूहिक प्रभावों के महत्व पर जोर दिया है। कार्यशाला में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक), बैंगलोर के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. देवेंद्र एस. कावडे मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय प्रणाली में गुणवत्ता स्थापित करने के लिए नैक के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र एस. कावडे ने एनएएसी द्वारा उच्च शैक्षणिक संस्थानों में मूल्यांकन और मान्यता प्रक्रिया पर चर्चा की और बताया कि कैसे मैट्रिक्स के अनुसार सूक्ष्म स्तर का विश्लेषण और तैयारी एनएएसी मूल्यांकन में अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करती है तथा उच्च शैक्षणिक संस्थानों द्व ारा बेहतर रैंकिंग की ओर ले जाती है। कार्यशाला के अंत में आईक्यूएसी के सहायक निदेशक डॉ. अमित कुमार ने ध न्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता

प्रो. नीलम सांगवान, नैक मान्यता समिति के समन्वयक व सदस्यों सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षक प्रभारी, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

Workshop on "NAAC Awareness Programme"

Internal Quality Assurance Cell, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a One-Day Workshop on NAAC Awareness Programme (NAP) for Assessment and Accreditation. Dr Devender S. Kawday, Senior Advisor, National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bangalore acted as chief guest/ resource person in the workshop. The opening remarks were given by Prof. Sarika Sharma, Director of IQAC, and she explained the importance of NAAC to establish a quality culture in the university system. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, shared his experiences with the audience and said that quality is not a one-time activity; it is a continuous and collective effort. He stressed the importance of collective efforts to improve the quality of the university to convert it into "A World Class University". Dr Devender S. Kawday discussed the assessment and accreditation process in Higher Educational Institutions by NAAC and discussed how matrix-wise micro-level analysis and preparation help in achieving a good score in NAAC assessment and leads to a better ranking by Higher Educational Institutes. Finally, the vote of thanks was proposed by Dr Amit Kumar, Assistant Director, IQAC. Prof. Sunita Srivastava, Director CII; Prof. (Dr.) Sunil Kumar Gupta, Registrar; Prof. Dinesh Kumar, Dean Academic; Prof. Neelam Sangwan, Dean Research; Criteria wise co-ordinators and their team members; NAAC accreditation committee members; Deans, HODs, TICs, faculty, and other staff members were present in the workshop.

हकेवि में "पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण" पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

जून 11, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं के क्षमता निर्माण पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत आने वाले पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा आईसीएमआर के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजको को बधाई देते हुए कहा कि युवा शोधार्थियों की क्षमताओं के विकास व विषय के ज्ञान में यह आयोजन सहायक साबित होगा।

दो दिवसीय इस कार्यक्रशाला के पहले दिन की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आईसीएमआर की डॉ. प्रियंका बंसल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। आईसीएमआर के वैज्ञानिक कार्यशाला में परिचयात्मक टिप्पणियां प्रस्तुत की। आईसीएमआर, नई दिल्ली के पूर्व एडिशनल महानिदेशक व जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन, आईआईटी, जोधपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. जी.एस. टोटेजा ने भारत में पोषण परिद्वश्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में बायोस्टैटिस्टिक्स विभाग, सेंट, जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर के प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. टिंकू थॉमस ने शोध अध्ययन की अवधारणा व प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्याम प्रकाश अच्छी प्रयोगशाला अभ्यासों पर अपना व्याख्यानदिया।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत आईसीएमआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. जियान गोनमेई के व्याख्यान के साथ हुई। डॉ. प्रियंका बंसल ने पोषण अनुसंधान से जुड़ी विभिन्न फैलोशिप और अनुदान से संबंधित योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पोषण जीवविज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. विद्युल्लता पेडिरेड्डी ने दिया। कार्यशाला में प्रो. नीलम सांगवान ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। आयोजन के दौरान पोषण जीवविज्ञान विभाग के सभी संकाय सदस्य डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. सविता बुधवार, डॉ. तेजपाल ढेवा भी उपस्थित रहे।

Workshop on "Capacity Building of Young Researchers for Nutrition Research"

A two-day workshop focusing on "capacity building of young researchers for nutrition research" was organised at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Congratulating the organisers, the University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that this event will help students in developing their abilities and knowledge of the subject.

The first day of this two-day workshop started with the University's Kulgeet and lighting of the lamp. Head of the Department of Nutritional Biology Prof. Kanti Prakash Sharma welcomed all the guests and participants. Dr Priyanka Bansal of ICMR presented the program outline to the participants. Former Additional Director General of ICMR, New Delhi and Chief Executive Officer of Jodhpur City Knowledge and Innovation Foundation, IIT, Jodhpur, Dr G.S. Toteja threw light on the nutrition landscape in India. In this sequence, Dr Tinku Thomas, Professor and Head, Department of Biostatistics, St. John's Medical College, Bangalore, delivered his lecture on the concept of research study and good laboratory practices, and Dr Shyam Prakash, Associate Professor, Department of Laboratory Medicine, AIIMS, New Delhi, gave a lecture on good laboratory practices. The second day of the workshop began with a lecture by Dr Jian Gonmei, a Scientist from ICMR, New Delhi. Dr Priyanka Bansal apprised the participants about various fellowship and grant-related schemes related to nutrition research. Dean of School of Interdisciplinary and Applied Sciences Prof. Neelam Sangwan presented her views on the subject. At the end of the workshop, a vote of thanks was given by Dr Vidyulatha Pedireddy, Associate Professor, Department of Nutritional Biology. In the workshop, Prof. Neelam Sangwan also distributed certificates to the participants. All the faculty members of the Department of Nutritional Biology Dr Umesh Kumar, Dr Ashwini Kumar, Dr Anita Kumari, Dr Savita Budhwar, and Dr Tejpal Dheva were also present during the event.

भारतीय ज्ञान परम्परा की पोषक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति- प्रो. आर.पी. तिवारी

जून 13, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नोएडा की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी की शुरूआत शैक्षणिक खंड चार स्थित सम्मेलन कक्ष में दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि आज जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है, ऐसे में बेहद जरूरी है कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था का विकास हो जो कि सतत विकास की पोषक हो। उन्होंने शिक्षा पीठ के इस आयोजन को समसामयिक बताते हुए कहा कि आज मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास केंद्रित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है जो कि हमें सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर करेगी। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय द्वढ़ संकल्प है और हमारी कोशिश है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हम ऐसे युवाओं को तैयार करें जो कि देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. सरोज शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के पुरातन भारतीय स्वरूप का उल्लेख कर उसकी उपयोगिता और आज के समय में उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से शिक्षा के मोर्चे

पर जारी बदलावों का उल्लेख किया और कौशल विकास के साथ-साथ वैल्यू एजुकेशन पर जोर दिया। प्रो. सरोज शर्मा ने सर्वे भवन्तु सुखिनः को शिक्षा को मूल उद्देश्य बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. आर.पी. तिवारी ने भारतीय सभ्यता के विकास और उसमें वर्णित शिक्षा परम्परा का उल्लेख करते हुए मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में बदलावों और उनकी उपयोगिता पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम् का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की गुरुकुल परम्परा सदैव ही समूचे विश्व को एक मानने का पाठ पढ़ाती है। उसी शिक्षा परम्परा का परिणाम था कि भारत पुरातन काल में शिक्षा का केंद्र था। प्रो. तिवारी ने अपने संबोधन में शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी शासन के दौरान आए बदलावों का उल्लेख करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि यह शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परम्परा और पुरातन शिक्षा व्यवस्था की पोषक है। उन्होंने नई शिक्षा नीति में दिए गए मल्टीडिसीप्लनरी व्यवस्था, कौशल विकास और सतत विकास के अवसरों की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में जारी विभिन्न प्रयासों की सराहना की और कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के आंरभ में स्वागत भाषण शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दिया जबकि दो दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. आरती यादव ने किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. आनंद शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. खेराज, डॉ. किरण रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Two-day National Seminar on "Education for Sustainable Development"

The two-day National Seminar on Education for Sustainable Development started on Monday at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. R. P. Tiwari, Vice-Chancellor, Central University of Punjab attended the program as the Chief Guest, while Prof. Saroj Sharma, Chairperson, National Institute of Open Schooling (NIOS), Noida, joined as Guest of Honour. The program was presided over by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana. Sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and organised by the School of Education of the University, the two-day seminar began with the lighting of the lamp and the Kulgeet of the University. Prof. Tankeshwar Kumar said that today when the National Education Policy has come, it is very important that such an education system should be developed which is conducive to sustainable development. He said that today emphasis is being laid on mother tongue-based education and skill focused education, which will lead us to the path of sustainable development. Prof. Tankeshwar Kumar said that the University is determined to the successful implementation of the NEP and we endeavour to prepare such youths who take an active part in the development of the country to achieve the goals of the National Education Policy. Prof. Saroj Sharma mentioned that the ancient Indian form of education highlighted its usefulness and its need in today's time. She mentioned the ongoing changes on the education front through various examples and emphasised skill development as well as value education. Prof. Saroj Sharma told '*SarveBhavantuSukhinah*' as the basic aim of education. Prof. R.P. Tiwari refers to the development of Indian civilization and the education tradition described in it. He spoke in detail about the changes in the existing education system and their utility. He said that the Gurukul tradition of India always teaches the lesson of considering the whole world as one. The result of the same education tradition was that India was the centre of education in ancient times. In his address, referring to the changes brought in the education system during British rule, Prof. Tiwari also drew attention to the new National Education Policy and said that this education policy is the nurturer of the Indian knowledge tradition and the ancient education system. He drew the attention of the participants to the opportunities for a multidisciplinary approach, skill development and sustainable development provided in the New Education Policy. He appreciated the efforts made under the guidance of Prof. Tankeshwar Kumar and said that the University will ensure the successful implementation of the education policy. At the beginning of the program, a welcome speech

was given by Prof. Sarika Sharma, Dean of the School of Education while the outline of the two-day seminar was given by Prof. Pramod Kumar. At the end of the program, a vote of thanks was given by the organising secretary of the seminar, Dr Aarti Yadav. The Registrar of the University, Prof. Sunil Kumar; Prof. Ranjan Aneja, and Prof. Anand Sharma were prominently present at this event. Dr Jitendra Kumar, Dr Dinesh Chahal, Dr Renu Yadav, Dr Kheraj, and Dr Kiran Rani played an important role in organising the seminar.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आईटीसी ग्रैंड भारत होटल का शैक्षणिक भ्रमण

जून 13, 2022

आतिथ्य उद्योग में जबरदस्त वृद्धि को देखते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय होटल इस क्षेत्र के विकास में भारी मात्रा में निवेश कर रहे हैं। इसके लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की बहुत बड़ी आवश्यकता है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल के मुताबिक, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री अगले 10 सालों में करीब 80 लाख नए रोजगार सृजित करेगी। उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए, कई संस्थान और विश्वविद्यालय डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के विभिन्न होटल प्रबंधन पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय देश के प्रमुख संस्थानों में से एक है जो होटल प्रबंधन और पर्यटन प्रबंधन में दो साल की मास्टर डिग्री प्रदान कर रहा है। विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। आतिथ्य उद्योग के तंत्र की बेहतर समझ के लिए, विभाग में समय-समय पर विशेषज्ञ व्याख्यान, सेमिनार के साथ-साथ औद्योगिक यात्राओं का आयोजन करता है। इसी क्रम में हकेवि के पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने आईटीसी ग्रैंड भारत होटल, गुरूग्राम का शैक्षणिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से न केवल विद्यार्थियों को होटलों की कार्यप्रणाली समझने में मदद मिलती है बल्कि उन्हें अपने अभ्यास के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया जाता है।

इस अवसर पर आईटीसी ग्रैंड भारत होटल, गुरूग्राम की शिक्षण और विकास प्रबंधक सुश्री अंजना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें होटल की वास्तुकला, इसकी सेवाओं, सुविधाओं और होटल द्वारा अपनाई गई विभिन्न स्थायी प्रथाओं के बारे में जानकारी दी। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को होटल के परिचालन क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न पक्षों की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। भ्रमण के दौरान छात्रों ने रेवाड़ी लोको स्टीम लोको संग्रहालय का भी दौरा किया। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने आतिथ्य के समग्र विकास के लिए उद्योग-अकादमिक इंटरफेस को विकसित करने में मदद करने वाले शैक्षणिक भ्रमण को आयोजित करने हेतु प्रेरित करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार का आभार व्यक्त किया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि भविष्य में भी समय-समय पर इस तरह की गतिविधियों और औद्योगिक यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट समन्वयक सुश्री शिखा एवं सहायक आचार्य ने भ्रमण के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

Students Took an Educational Tour to the ITC Grand Bharat Hotel

Given the tremendous growth in the hospitality industry, national and international hotels are investing heavily in the development of this sector. There is a huge requirement for trained manpower for this. According to the World Travel and Tourism Council, the hospitality industry will create about 8 million new jobs in the next 10 years. To meet the needs of the industry, many institutes and universities are offering various hotel management courses ranging from diplomas to master's degrees. The Department of Tourism and Hotel Management of CUH took this great initiative with full enthusiasm. The Central University of Haryana is one of the premier institutes in the country offering two years of Master's degree in Hotel Management and Tourism Management. The departments are committed to the all-around development of the students. For a better understanding of the mechanisms of the hospitality industry, the department organises expert lectures, seminars as well as industrial visits from time to time. In this sequence, the students of the Tourism and Hotel Management Department of CUH completed an educational tour of the ITC Grand Bharat Hotel, Gurugram. University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that this type of excursion not only helps the students to understand the working of hotels but also motivates them to enhance their soft skills along with their practice. Ms Anjana, Teaching and Development Manager, ITC Grand Bharat Hotel, Gurugram, addressed the students on the occasion and apprised them about the hotel's

architecture, its services, facilities and various sustainable practices adopted by the hotel. During this educational tour, the students were also given practical information about various aspects related to the operational areas of the hotel. During the visit, the students also visited the Rewari Loco Steam Loco Museum. The students and faculty members of the Department of Tourism and Hotel Management expressed their gratitude to Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University for motivating them to organise the tour. The Head of the department Dr Ranbir Singh informed that in future also such activities and industrial visits will be organised from time to time. Training and Placement Co-ordinator Ms Shikha and Assistant Acharya played an active role in organising the tour.

हकेवि में पहली राष्ट्रीय युवा संसद का हुआ आयोजन

मई 31, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को पहली राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। इस आयोजन में निर्णायक मंडल के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ से पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. सुधा यादव, संसदीय कार्य मंत्रालय में एनवाईपी कॉर्डिनेटर डॉ. शालिनी शर्मा व राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल की प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में पहली बार राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है। यकीनन इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली को नजदीक से जानने समझने को अवसर मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भूमिका और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विद्यार्थी देश के विकास में सक्रिय योगदान दें। कुलपति ने इस अवसर पर संसदीय व्यवस्था में समस्याओं के समाधन, नई योजनाओं के क्रियान्वयन और विभिन्न विषयों पर पैदा होने वाले विरोधाभासों के निदान हेतु किए जाने वाले प्रयासों का भी उल्लेख किया। इस मौके पर डॉ. सुधा यादव ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा चलाई गई युवा संसद का मूल्यांकन करने के बाद कहा कि विद्यार्थियों ने बेहद गंभीरता के साथ संसदीय व्यवस्था और उसकी कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विद्यार्थियों ने संसदीय व्यवस्था में संवाद की परम्परा का परिचय इस आयोजन में दिया है वह यकीनन शुभ संकेत है और युवा पीढ़ी की सक्रियता व गंभीरता लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए उपयोगी साबित होगी। इसी क्रम में निर्णायक मंडल में सम्मिलित शालिनी व डॉ. पूर्ण प्रभा ने भी युवा संसद में प्रश्न काल व राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यार्थी विषयों को बेहद गंभीरता के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं जो कि संसदीय व्यवस्था में उनकी रूचि के परिचायक है।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय युवा संसद के संबंध में शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि विश्वविद्यालय में पहली बार यह आयोजन किया गया है और जिस तरह से विद्यार्थियों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की है। यकीनन यह आयोजन आने वाले समय में अपनी एक अलग पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद में निर्णायक मंडल द्व ारा अगस्तमुनि मिश्रा को प्रधानमंत्री की भूमिका, उत्कर्ष शर्मा को नेता प्रतिपक्ष, आयशा आमना अली को वित्त मंत्री, नारायण चौध ारी को कृषि मंत्री, सिमरन चौहान को अध्यक्ष तथा पी.साईं गणेश को प्रतिपक्ष सांसद की भूमिका का निर्वहन करने के लिए क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पांचवा व छठा स्थान दिया गया। इस आयोजन के छात्र संयोजक शिवम कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

1st National Youth Parliament Organised in CUH

The 1st National Youth Parliament was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh on Tuesday, May 31. Former Lok Sabha MP from Bhiwani-Mahendragarh, Dr. Sudha Yadav, NYP Co-ordinator in the Ministry of Parliamentary Affairs, Dr. Shalini Sharma, and Principal of Government Women's College, Narnaul, Dr. Purna Prabha were present as the jury in this event. In the beginning of the program, the Vice-Chancellor of the University,

Prof. Tankeshwar Kumar, said that for the first time National Youth Parliament is being organised in the University. Surely, through this event, students will get an opportunity to know and understand the parliamentary functioning closely. He said that the time has come for the students to actively contribute in the development of the country. Dr. Sudha Yadav, after evaluating the youth parliament run by the students of the university, said that the students have demonstrated the parliamentary system and its functioning with utmost seriousness. She said that the way the students have introduced the tradition of dialogue in the parliamentary system is definitely a good sign and the activism and seriousness of the younger generation will prove useful in coming years. In the same sequence, Ms. Shalini and Dr. Purna Prabha, who were a part of the jury, also mentioned that discussions of the question hour and on national education policy were presented with sincerity. Associate Professor of Education, Dr. Dinesh Chahal, said that for the first time this event has been organised in the University and the way students have actively participated in it is promising. He commented that the event would establish its own identity in the times to come. He also mentioned that in the National Youth Parliament held on Tuesday, the roles of Agastya Muni Mishra as Prime Minister, Utkarsh Sharma as Leader of Opposition, Ayesha Aamna Ali as Finance Minister, Narayan Chaudhary as Agriculture Minister, Simran Chauhan as Speaker, and P. Sai Ganesh as Opposition Party M.P. were extremely commendable. Shivam Kumar, student co-ordinator of the event expressed his gratitude to all the participants.

हकेवि में व्यावसायिक नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

जून 6, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में व्यवसायिक नैतिकता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में राजकीय शिक्षण महाविद्यालय, चण्डीगढ़ के सह-आचार्य डॉ. विजय फोगाट विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलसचिव, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता व सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। तत्पश्चात शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताडॉ. विजय फोगाट ने व्यावसायिक नैतिकता पर व्याख्यान देते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि माँ बच्चे की पहली शिक्षक होती है। उन्होंने उदाहरण के माध्यम से बताया कि क्यों एक शिक्षक के लिए नैतिकता आवश्यक है। उन्होंने व्यवसायिक नैतिकता पर विस्तार से चर्चा की और शिक्षण क्षेत्र के विभिन्न मानकों व मानदंडों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. फोगाट ने बताया कि हर पेशे का एक लाइसेंस होता है और नियम या नैतिकता तोड़ने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। उन्होंने शिक्षकों में पेशेवर और नैतिक चेतना तथा उनकी नैतिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाने पर जोर दिया। व्याख्यान के दौरान सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि निश्चित ही इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में शिक्षा पीठ के विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

Extention Lecture on "Professional Ethics"

School of Education, Central University of Haryana, organised an extension lecture on "Professional Ethics" on 5th April 2020. Vijay Phogat, Associate Professor, Government College of Education, Chandigarh was the resource person/speaker at this program. First of all, Prof. Sarika Sharma, Dean, School of Education, Registrar, CUH, and Nodal Officer, Azadi Ka Amrit Mahotsav, gave a warm welcome to Dr. Vijay Phogat. She said that 'Professional Ethics' are very important for teachers and students. Dr Phogat delivered his lecture on "Professional Ethics". He said teaching is a very noble profession that builds the nation. He discussed how the mother is the first teacher to the child and how the primary school teacher has the second most important role in a child's life. Dr. Phogat explained the terminology "Professional Ethics" in detail. He elaborated on how the teaching profession was not even considered a profession. It was after the National Council for Teacher Education (NCTE) got established and started functioning and setting standards and eligibility criteria to become a teacher in India that this was considered a profession. Dr Phogat explained the purpose of the code of conduct to increase professional and ethical consciousness among teachers and their sense of ethical responsibility; to guide them in making more informed ethical choices; and to help the teaching profession itself function at the fullness of its potential. In the end, Prof. Parmod Kumar, School of Education, presented the formal vote of thanks and concluded the program.

हकेवि में उद्यमिताः स्वावलंबी भारत की ओर एक कदम विषय पर व्याख्यान आयोजित

मई 20, 2022

भारत युवाओं का देश है और इसके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण है। आज समय रोजगार के लिए प्रयास करने से अधिक रोजगार सृजित करने की दिशा में ऊर्जा लगाने का है। युवा पीढ़ी को संकल्प लेना चाहिए कि वह पढ़ाई के साथ-साथ उद्यमिता विकास की दिशा में भी कार्य करेगी। यह विचार स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक श्री कश्मीरी लाल ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में उद्यमिताः स्वावलंबी भारत की ओर एक कदम विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह संगठक श्री सतीश कुमार व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

स्वदेशी जागरण मंच, हकेवि इकाई, विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र व पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के प्रयासों

से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर उद्यमिता विकास हेतु जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय स्थानीय किसानों व आमजन में स्वरोजगार विकास हेतु निरंतर प्रशिक्षण व प्रोत्साहन संबंधी आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में विश्वविद्यालय निरंतर आपसी साझेदारी के साथ प्रयासरत है। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत सह संयोजक डॉ. रणबीर सिंह ने स्वावलंबी भारत अभियान की रूपरेखा बताते हुए छात्रों को स्वरोजगार के प्रति जागरूक किया।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कौशल विकास की दिशा में जारी प्रयासों को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु आवश्यक बताया। कुलपति ने विश्वविद्यालय में स्थापित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के प्रयासों की भी जानकारी दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समय आ गया है कि हम अपनी पहुँच ग्लोबल स्तर पर बनाएं और विश्व के समक्ष उपस्थित समस्याओं का निदान प्रस्तुत कर भारत के विकास में योगदान दें। कुलपति ने इस प्रयास में युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया।

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह संगठक श्री सतीश कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध युवा आबादी इसकी सबसे महत्त्वपूर्ण शक्ति है लेकिन अब समय नौकरी के लिए प्रयास करने का नहीं है। युवाओं को अपनी क्षमताओं व ऊर्जा को रोजगार सृजन में लगाना होगा और स्वावलंबन व आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सफल उद्यमियों के उदाहरण देते हुए युवाओं से आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है और यदि इसी तरह से प्रयास जारी रहे तो भारत विश्व का नेतृत्व करता नजर आएगा। सतीश कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत व उद्यमिता विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु स्वदेशी के भाव का विकास जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन शिक्षा पीठ की डॉ. रेनु यादव व अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के डॉ. सुदीप कुमार ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग के डॉ. मनीष कुमार ने किया। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रमुख, स्वदेशी जागरण मंच श्री कुलदीप, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा व प्रो. प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के लगभग 200 शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Lecture on 'Entrepreneurship: A Step towards Self-Reliant India'

India is a country of youth and the role of youth is the most important in building its bright future. Today is the time to put energy in the direction of creating more jobs than trying for employment. These views were expressed by Shri Kashmiri Lal, Akhil Bhartiya Sangathak, Swadeshi Jagran Manch, while delivering an expert lecture focused on the topic "Entrepreneurship: A Step Towards Self-Reliant India" at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Shri Satish Kumar, Akhil Bhartiya Sangathak, Swadeshi Jagran Manch and Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH also addressed the participants. This programme is organised by Swadeshi Jagran Manch, CUH unit, Centre for Innovation and Incubation and the Department of Tourism and Hotel Management. Prof. Sunita Shrivastava, Convener of Centre for Innovation and Incubation, informed about the various ongoing efforts for entrepreneurship development at the University level. She said that the University is constantly working in mutual partnership for building a self-reliant India. Referring to the new National Education Policy, the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, described the efforts done in the direction of skill development necessary for building a self-reliant India. Shri Satish Kumar said that the young population available in India is her most important strength. Giving examples of various successful entrepreneurs, he appealed the youth to move forward in the direction of becoming not job seerers but job creators.

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण ह्रास पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

मई 24, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण ह्रास विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग में प्रोफेसर मैरी ताहिर उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को हो रहे नुकसान के परिणाम स्वरूप यदि जल्द ही इसके सुधार हेतु योजनागत प्रयास नहीं किए गए तो प्राकृतिक आपदाओं की संभावना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक लाभांवित होंगे।

प्रो. मैरी ताहिर ने बताया कि भूमि ह्रास कार्बन डाइआक्साइड

प्रेरित जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है जो पृथ्वी पर मौसम के स्वरूप में बदलाव में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण ह्रास की समस्या पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। पर्यावरण अध्ययन विभाग प्रमुख डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि प्रो. ताहिर के व्याख्यान के दौरान हुई चर्चा उत्कृष्ट रही और विद्यार्थियों ने इस अवसर पर विभिन्न शंकाओं का समाधान भी विशेषज्ञ से प्राप्त किया तथा वृक्षारोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुश्री दिव्या ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. खेराज, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. कपिल, सुश्री कविता वर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Expert Lecture on "Climate Change and Environmental Degradation"

Central University of Haryana (CUH), Mahednergarh organised an Expert Lecture on "Climate Change and Environmental Degradation". This programme is organised by the Department of Environmental Studies of the University. On this occasion, Prof. Mary Tahir from Department of Geography, Jamia Millia Islamia University, was present as an Expert. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor CUH, said in his message that climate change is likely to exacerbate gradual processes of environmental degradation and increase the frequency and intensity of natural disasters. He further said that the lecture by Prof. Tahir would be very beneficial for students, academicians, teachers, and professionals. Prof. Mary Tahir delivered her lecture and conveyed that land degradation aggravates CO_2 induced climate change which further plays a major role in changing the weather pattern on the earth. She gave very good examples to students to think about the problem of climate change and environmental degradation. Dr Mona Sharma, Head Department of Environmental Studies, said that the discussion held during the lecture of Prof. Tahir was excellent and students interacted with the teacher. She also mentioned that they will try to play an effective role in improving the environmental conditions on the planet.

देश के विकास के लिए समाज में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण- जस्टिस सूर्यकांत

जून 4, 2022

देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है। इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है लेकिन इस दिशा में उल्लेखनीय बदलावों हेतु जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के माननीय जस्टिस श्री सूर्य कांत ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 315 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले बालिका छात्रावास का जस्टिस सूर्य कांत ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास परिसर में त्रिवेणी लगाकर व पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन कर विश्व पर्यावरण दिवस का भी शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने बताया कि यह नया छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सम्मिलित वक्ता फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश

डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और इस पर निरंतर विमर्श आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज बेहतरी के लिए आवश्यक है कि धर्म, जाति, रंग व लैंगिक समानता का अनुसरण हो। भारतीय समाज इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए जागरूकता के साथ काम करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता माननीय सर्वोच्च न्यायालय के माननीय जस्टिस श्री सूर्य कांत ने समाज, देश व विश्व समुदाय के विकास में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आवश्यक समानता की दिशा में विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने इस असवर पर विशाखा गाइडलाइन के लागू होने की कहानी का उल्लेख करने के साथ-साथ इस दिशा में न्यायालय के द्वारा निरंतर जारी प्रयासों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। जिसमें महिलाओं को पैतृक सम्पत्ति का अधिकार, सेना में महिलाओं को समान अवसर जैसे प्रयासों का उल्लेख प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कार्यपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए नियम, कानून जरूरी हैं। साथ ही सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप इनमें सुधार व संशोधन होते रहने चाहिए। जस्टिस सूर्य कांत ने विशाखा गाइडलाइन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी उपयोगिता इस बात से साबित होती है कि हमारे पड़ोसी देशों बांगलादेश व पाकिस्तान में भी ऐसी ही गाइडलाइंस को लागू किया गया है। यह गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती हैं और संविधान में प्राप्त समानता का अधिकार, समान अवसर का अधिकार, सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार के लिए आवश्यक है। उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय व विभिन्न शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि शैक्षणिक संस्थान न सिर्फ अपने संस्थान के स्तर पर बल्कि स्थानीय स्तर पर भी महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता व समानता के लिए बने विभिन्न अधिकारों से आमजन को अवगत करा कर समाज को और बेहतर बना सकते हैं। आम नागरिक को अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने में भी शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी अहम है। उन्होंने इस आयोजन के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व आयोजन समिति की सराहना की।

इससे पूर्व कार्यक्रम संयोजक व आईसीसी के सदस्य डॉ. प्रदीप सिंह ने विशाखा गाइडलाइन पर प्रकाश डालते हुए जस्टिस सूर्य कांत के द्वारा इस दिशा में दिए गए फैसलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने जस्टिस सूर्य कांत की अद्वश्य न्याय और मुदकमेंबाजी से संबंधित थ्योरी पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मंच का संचालन महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने किया। कार्यक्रम के अंत में आईसीसी की प्रेजाइडिंग ऑफिसर प्रो. कल्पना चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. राजेश मलिक, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Expert Lecture Organised by Internal Complaints Committee and Women Empowerment Cell

"The role of women is very important in the development of a nation and judiciary and legislature play a significant part in ensuring a safe and healthy environment for women to do that. Awareness and discussions are much needed in changing the outlook of the society toward women and CUH will have to come forward and make special efforts in this direction." These views were expressed by Hon'ble Shri Justice Surya Kant, Judge Supreme Court of India, in the expert lecture organised by the University's Internal Complaints Committee (ICC) and Women's Empowerment Cell on Saturday on the completion of 25 years of 'Vishakha' guideline. The program was presided over by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University, while Dr Pankaj Kumar, Additional District and Sessions Judge, Faridabad was also present at the event. Hon'ble Justice Shri Surya Kant inaugurated the newly constructed girls' hostel with a capacity to accommodate 315 girl students. On this occasion, he also inaugurated the World Environment Day by planting 'Triveni' on the hostel premises and releasing a poster exhibition. Prof. Sunil Kumar, Registrar, presented the progress report of the University. Dr Pankaj Kumar, Additional District and Sessions Judge, Faridabad, said that the topic of the lecture is very important and continuous discussion is needed on it. Justice Surya Kant, in his lecture mentioned that the judiciary is constantly striving to improve the conditions of the executive side of the plans and for this rules and regulations are necessary. While mentioning the importance of the Vishakha guideline, he said that its usefulness is proved by the fact that similar guidelines have been implemented

in our neighbouring countries like Bangladesh and Pakistan. This guideline protects women from sexual harassment at the workplace and is necessary for the right to equality, the right to equal opportunity, and the right to live a dignified life as enshrined in the constitution. Before this the program co-ordinator and ICC member Dr Pradeep Singh, while highlighting the Visakha guidelines, also mentioned the decisions given by Hon'ble Shri Justice Justice Surya Kant in this direction. He also discussed Justice Surya Kant's theory of invisible justice and invisible litigants. Dr. Renu Yadav, Convener, Women Empowerment Cell, conducted the stage. At the end of the program, Prof. Kalpana Chauhan, Presiding Officer of ICC, presented a vote of thanks.

जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए - प्रो. कामाख्या कुमार

जून 8, 2022

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। व्याख्यान में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो.कामाख्या कुमार ने विद्यार्थियों को योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम में योग विभाग, भूगोल विभाग, शिक्षा पीठ और शारीरिक शिक्षा खेल विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. किरण रानी ने प्रस्तुत किया। उपर्युक्त कार्यक्रम में योग विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. रवि कुमार, ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के सभी सदस्य सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. खेराज, सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. संदीप आदि उपस्थित रहे।

"Every act of life should be Yogic" - Prof. Kamakhya Kumar

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised an Expert Lecture on Yoga. The programme was organised by the Department of Yoga and Yoga Tracking and Adventure Club under the guidance of Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University. This lecture was given by Professor Kamakhya Kumar, HoD, Department of Yoga, Uttarakhand Sanskrit University. Prof. Kamakhya Kumar inspired the students to imbibe yoga in life. He said that the practice of yoga should be reflected in every action of a person. Yoga is not only doing asanas or pranayama, but every act of life should be yogic.

On this occasion, Dr Dinesh Chahal, Convener, National Service Scheme (NSS) and Associate Professor at the School of Education, also motivated the students to keep on learning. At the beginning of the program, the Chief Guest was introduced to the participants by the teacher-in-charge of the Yoga Department, Dr Ajay Pal. Students of the Yoga Department, Geography Department, School of Education, and Physical Education & Sports Department participated in the programme. At the end of the program, the vote of thanks was presented by Dr Kiran Rani, Assistant Professor at the School of Education. Dr Ravi Kumar, all the members of Trekking and Adventure Club, Dr Kheraj, Dr Sandeep etc. were also present in the program.

हकेवि में सोशल मीडिया मार्केटिंग स्ट्रैटर्जीज विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

जून 17, 2022

आज का युग तकनीकी का युग है। विभिन्न उद्योगों के प्रसार एवं प्रसार हेतु जितना महत्व कौशल, मूलभूत सुविधाओं का है, उतना ही महत्त्व सोशल मीडिया का भी है। पर्यटन एवं होटल उद्योग भी इससे अछूता नहीं है। सोशल मीडिया उद्योगों को वैश्विक पटल पर स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में विकसित होता जा रहा है। इस महत्त्व को ध्यान में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। सोशल मीडिया मार्केटिंग स्ट्रैटर्जीज विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में सुशांत विश्वविद्यालय, गुरुग्राम की श्रीमती पूजा नंदा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आज के समय में सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न उद्योग बहुत ही आसानी से ऐसे स्थानो पर भी पहुंच सकते है जहां पारम्परिक तरीकों से पहुँच पाना कठिन है। युवाओं में सोशल मीडिया के बढ़ते चलन को देखते हुए सभी उद्योगों को सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना आज समय की मांग बन गई है। अतः ऐसे विशेषज्ञ व्याख्यान ना सिर्फ विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन करते हैं। साथ में उन्हें वर्तमान समय के अनुसार स्वयं को सभी क्षेत्रों में पारंगत करने हेतु प्रोत्साहित भी करते है। विशेषज्ञ वक्ता श्रीमती पूजा नंदा ने इस अवसर पर ना सिर्फ विद्यार्थियों को सोशल मीडिया की बारीकियों से अवगत करवाया। साथ उन्होंने सोशल मीडिया को विभिन्न उद्योगों में सोशल मीडिया को प्रचार के माध्यम के रूप में भी प्रयोग करने के बारे में बताया। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया की विभाग सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु तत्पर रहा है। समय-समय पर विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिनके माध्यम से विद्यार्थी न सिर्फ कौशल का विकास करते है बल्कि व्यक्तित्व विकास में भी सहायता करते है। इस अवसर पर अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने भी शिरकत की

Expert Lecture on "Social Media Marketing Strategies"

June 17, 2022

We are living in an age of technology. For the development of various industries, the use of social media is equally important as a relevant skill and basic necessity. The tourism and hotel industry is no exception to this. Keeping this importance in mind, a one-day expert lecture was organised by the Department of Tourism and Hotel Management at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In this expert lecture on "Social Media Marketing Strategies", Mrs Pooja Nanda of Sushant University, Gurugram was present as an expert. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that in today's times, through social media various industries can easily reach even such places which are difficult to reach through traditional methods. Given the increasing trend of social media among the youth, it has become the need of the hour for all industries to register their presence on social media. Therefore, such expert lectures not only enhance the knowledge of the students but also encourages them to make themselves proficient in all fields according to the need. Expert speaker Mrs Pooja Nanda made the students aware of the nuances of social media on this occasion. Along with this, she also talked about using social media as a medium of publicity in various industries. Head of the Department of Tourism and Hotel Management, Dr Ranbir Singh said that the department has always been ready for the all-around development of the students. Various activities are organised by the department from time to time through which students not only develop skills but also get help in personality development. Students from other departments also participated in this event.

ऑस्ट्रिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षक ने शोध कार्य किया प्रस्तुत

अप्रैल 13, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा ने आस्ट्रिया में अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन न्यूरोसाइंस सम्मेलन में रिसर्च वर्क प्रस्तुत किया। पांच दिवसीय इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर के कई शिक्षकों व न्यूरोवैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक जांगड़ा ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए डॉ. अशोक जांगड़ा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य संकाय सदस्यों व शोधार्थियों के लिए अवश्य ही प्रेरणा का स्रोत बनेगी। औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध कार्य की प्रस्तुति निश्चित रूप से अन्य अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के साथ सहयोग स्थापित करती है जो दवा खोज प्रक्रिया को बढ़ावा देती है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता और शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने भी इस उपलब्धि के लिए डॉ. जांगड़ा की प्रशंसा की। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार और डॉ. तरुण कुमार ने भी इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए डॉ. जांगड़ा को बधाई दी। डॉ. जांगड़ा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार को उनके निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया और बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ), फ्रांस ने इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए डॉ अशोक जांगड़ा को यात्रा अनुदान प्रदान किया।

CUH Pharmacy Faculty Presented Research Work at an International Conference in Austria

Dr Ashok Jangra, Assistant Professor in the Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has presented the Research work at International Winter Neuroscience Conference from 3rd to 7th April 2022 in Austria. At this conference, several academicians & neuroscientists across the globe participated in the Conference. Dr Ashok Jangra from the Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was the only delegate who represented India at the said conference. International Brain Research Organisation (IBRO), France provided a Travel Grant to Dr Ashok Jangra for attending this conference. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar congratulated Dr Ashok Jangra for this achievement and said that representation of the university on the international stage will inspire other faculties and research scholars. Dr Dinesh Kumar, Head of the Department of Pharmaceutical Sciences said that the presentation of the research work at the International forum certainly establishes collaboration with other International scientists that fosters the drug discovery process. Prof. Neelam Sangwan, Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences and Dean of Research also praised Dr Jangra for this achievement. Dr Sumit Kumar and Dr Tarun Kumar's faculties of Pharmaceutical Sciences also congratulated Dr Jangra for this remarkable achievement. Dr Jangra expressed his gratitude to Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University and Dr Dinesh Kumar Head of the Department for their continuous support and encouragement.

Research Publications:

S.No.	Author(s)	Title	Publication Details
1.	Akash Garg, Miroslav Almáši, Jozef Bednarcík, Rishabh Sharma, V. S. Rao, Priyanka Panchal, Ankur Jain, Anshu Sharma*	Gd(III) Metal-Organic Framework as an Effective Humidity Sensor and its Hydrogen Adsorption Properties	Chemosphere. 305 (2022) 135467. [I.F.: 8.943]
2.	Devina Rattan Paul, Rishabh Sharma, Priyanka Panchal, Vikrant Singh Rao, Shubham Gautam, Anshu Sharma, Satya Pal Nehra	Mg/Li@GCN as Highly Active Visible Light Responding 2D Photocatalyst for Wastewater Remediation Application	Environmental Science and Pollution Research. xx (2022) 01-08. [I. F.: 5.190]
3.	Akash Garg, Miroslav Almáši, Robin Saini, Devina Rattan Paul, Anshu Sharma*, Ankur Jain, Indra Prabh Jain	A highly Stable Terbium(III) Metal-Organic Framework MOF-76(Tb) for Hydrogen Storage and Humidity Sensing	Environmental Science and Pollution Research. xx (2022) 01-15. [I. F.: 5.190]

Ph.D./M.Phil. Submitted/Awarded:

Sr. No.	Name of the Student	Department	Programme	Title of Research	Date of Award	Name of Supervisor
1.	Tariq Ahmad Bhatt Roll no. 200244	Education	M.Phil. Education	Socio-Emotional Competence among Adolescents in Relation to Socio-Demographic Variables and Academic Achievement	29-03-2022	Prof. Parmod Kumar
2.	Sanchaita Nath Roll no. 200239	Education	M.Phil. Education	A Study of Student Satisfaction and Student Engagement in Massive Open Online Courses	24-06-2022	Dr. Aarti Yadav
3.	Atul Kumar Roll no. 10205	Hindi	Ph.D. Hindi	हिंदी एवं मराठी की दलित आत्मकथाओं का समाज़शास्त्रीय अध्ययन	09-05-2022	Dr. Arvind Singh Tejawat
4.	Pratibha Mishra Roll no. 8197	Hindi	Ph.D. Hindi	इक्कीसवीं सदी के हिंदी उपन्यासों में किसान एवं खेतिहर मजदूरः संर्घा और चुनौतिया	09-05-2022	Dr. Amit Kumar
5.	Jyoti Chandra Roll no. 190972	Hindi	M.Phil. Hindi	गजाजन माधव 'मुक्ति' का इतिहास बोध	13-05-2022	Dr. Arvind Singh Tejawat
6.	Ankush Roll no. 11115	Biotechnology	Ph.D. Biotechnology	Study of Biodegradation of Antineoplastic Compounds Using White Rot Fungi	26-05-2022	Dr. Bijender Singh

Sr. No.	Name of the Student	Department	Programme	Title of Research	Date of Award	Name of Supervisor
7.	Hemansi Roll No. 9042	Microbiology	Ph.D. Microbiology	Enhanced Production of Cellulosic Ethanol Using Thermo and Inhibitor Tolerant Yeasts	20-05-2022	Dr. Jitender Saini
8.	Raj Kumar Roll No. 180047	Education	Ph.D. Education	An Exploratory Study of Child Rights Education In Relation to Teacher Training Programme	23-05-2022	Dr. Dinesh Chahal
9.	Maneesh Kumar Roll no. 180666	Statistics	Ph.D. Statistics	Extension of Some Probability Distributions and Associated Ordered Random Variables	08-06-2022	Dr. Devender Kumar
10.	Indrajeet Kumar Roll no. 10959	Statistics	Ph.D. Statistics	Classical and Bayesian Estimation Methods for Censored Data	08-06-2022	Dr. Kapil Kumar
11.	Poonam Rani Roll no. 10053	Economics	Ph.D. Economics	An Empirical Analysis of Determinants of Crop Diversification in Punjab	13-06-2022	Dr. Ajeet Kumar Sahoo
12.	Yogesh Kumar Roll no. 200934	Hindi	M.Phil. Hindi	अटभुजा शुक्ल के काव्य में समाज एवं राजनीति	20-05-2022	Dr. Siddharth Shankar Rai
13.	Ritu Rani Roll no. 10204	Hindi	Ph.D. Hindi	समकालीन हिंदी रंगमंच के परिप्रेक्ष्य में हबीब तनवीर के रंग-प्रयोग	25-05-2022	Dr. Arvind Singh Tejawat
14.	Km. Savita Roll No. 200238	Education	M.Phil. Education	Factors Affecting Students with Intellectual Disability in Learning at School Level: A Qualitative Analysis	29-03-2022	Prof. Sarika Sharma
15.	Anurag Pathak Roll no. 10960	Statistics	Ph.D. Statistics	Some Inferences for Lifetime and Ecological Models	23-06-2022	Dr. Manoj Kumar

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

मई 05, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

Book Released by Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar

Springer Nature, an international publisher, has published a book, *Remote Sensing and Geographic Information System for Policy Decision Support,* edited by Dr. Manish Kumar, Assistant Professor, Department of Geography (Central University of Haryana), Prof. R.B. Singh (Delhi University), and Prof. D.K. Tripathi (Principal, RanaPratap PG College, Sultanpur). The book was released by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of Central University of Haryana. While complimenting the editors, Prof. Tankeshwar Kumar remarked that the book would be an invaluable resource for understanding and solving diverse physical and human issues related to sustainable planning and management. Presenting the copy of the book to Prof. Tankeshwar Kumar, the editor of the book Dr. Manish Kumar, observed that the book covers the scientific knowledge based on various physical and socio-economic issues among scholars, planners, and decision makers for policy development and research related to sustainable development. Elaborating further, he said that the book demonstrates the importance of modern spatial decision support tools of remote sensing and GIS to better understand sustainable development processes and policy development. He also said that the book discusses case studies and provides new insights for case studies as to how remote sensing and GIS-based decision support systems contribute to understanding physical and socio-economic processes and developing pragmatic policies for sustainable development. On this occasion, the Dean of Academics, Prof. Dinesh Kumar, Dean Research, Prof. Neelam Sangwan, Registrar, Prof. Sunil Kumar, Finance Officer, Dr. Vikash Kumar, OSD, Prof. Ranjan Anaja and Dr Sandeep Rana were also present.

हकेवि की शिक्षिका हुई कार्यशाला में शामिल

अप्रैल 13, 2022

सेंटर फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ द नॉन एलाइड एंड अदर डेवलपमेंट कंट्रीस (एनएएम एस एंड टी केंद्र) और एकेडमिक ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (एएसआरटी), मिस्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। देश की आवश्यकताओं के अनुरूप विश्लेषणात्मक और मॉडलिंग टूल के उपयोग पर वर्चुअल माध्यम से आयोजित इस कार्यशाला में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की प्रबंधन अध्ययन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर ने हिस्सा लिया। डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि उन्हें 24 देशों के प्रतिभागियों में से उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक पृष्ठभूमि के आधार पर इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए चुना गया था। कार्यशाला में यूज ऑफ एनालिटिकल एंड मॉडलिंग टूल्स टेर्लड टू कंट्री निड्स विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

CUH Faculty Participated in an International Workshop

A two-day International Training Workshop was organised under the joint aegis of Center for Science and Technology of the Non-Allied and Other Developed Countries (NAM S&T Centre) and Academy of Scientific Research and Technology (ASRT), Egypt. The workshop was organised in virtual medium and its concept was the use of analytical and modelling tools according to the needs of the country. Dr. Sunita Tanwar, Assistant Professor, Department of Management Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, participated in the the workshop along with other participants from 24 different countries. Dr. Tanwar represented India in the workshop and she got selected for the workshop on the basis of her educational and professional contribution. In the workshop, training was given on various aspects related to the topic "Use of Analytical and Modelling Tools Tailored to Country Specific Needs".

स्किल चेम्पियनशिप में हकेवि छात्र गौतम गिरि ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

अप्रैल 21, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थी गौतम गिरि ने नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग से आयोजित स्किल चेम्पियनशिप 'जूनियर स्किल्स' में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। लगभग दो लाख प्रतिभागियों में 64 प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। जिसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बी.टेक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी गौतम गिरि का नाम भी शामिल रहा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने गौतम को इस उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी और कहा कि अवश्य ही उनकी इस उपलब्धि से अन्य विद्यार्थी भी प्रोत्साहित होंगे। कुलपति ने गौतम गिरि को उनकी इस उपलब्धि के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया।

इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने के बाद गौतम ने एन्टरप्रेन्योर एवं इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेल के प्रयासों से मिली इस सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति व शिक्षकों सहित अपने परिवारजनों को दिया। इस अवसर पर एन्टरप्रेन्योर सेल की संयोजक डॉ. सुनीता तंवर ने कहा कि सेल के माध्यम से विश्वविद्यालय स्तर पर नए-नए आइडिया के विकास की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए विभिन्न कार्यशालाओं, वेबिनार व प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने गौतम गिरि की इस सफलता के लिए उसे शुभकामनाएं दी और कहा कि सेल के माध्यम के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। डॉ. तंवर ने बताया कि जूनियर स्किल्स 2021 का आयोजन का उद्देश्य पहले से मौजूद इंडिया स्किल्स और वर्ल्ड स्किल्सचौंपियनशिप को विस्तार देना था। विश्वविद्यालय के छात्र गौतम गिरि ने 'आईटी सॉफ्टवेयर सोलूशन्स फॉर बिजनेस' पर एक एंड्रॉइड ऐप विकसित किया, जिसके लिए गौतम को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेल के सदस्य श्री निशान सिंह भी उपस्थित रहे।

CUH's Gautam Giri Gave Remarkable Performance in Skill Championship

Gautam Giri, studying B.Tech. at Central University of Haryana (CUH) Mahendragarh, performed remarkably in the skill championship 'Junior Skills' organised by National Skill Development Corporation in association with the Central Board of Secondary Education. Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar congratulated Gautam for this astounding achievement and said that surely other students would also be encouraged by his example. The Vice-Chancellor also honoured Gautam Giri with a memento. After getting the bronze medal in this competition, Gautam credited his success to his family members and CUH. On this occasion, Dr. Sunita Tanwar, convener of Entrepreneur Cell, said that efforts are being made to create and develop new ideas at the university level through SAIL and for that various workshops, webinars

and training workshops are being organised from time to time. Dr. Tanwar also informed that the objective of organising Junior Skills 2021 was to expand the already existing India Skills and World Skills Championship. Gautam Giri developed an Android app on 'IT Software Solutions for Business' for which he was awarded a bronze medal. SAIL member Mr. Nishan Singh was also present on the occasion.

हकेवि की डॉ. पूजा यादव को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से मिली फैलोशिप

मई 17, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए प्रतिष्ठित एसआईआरई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) फैलोशिप प्राप्त हुई है। डॉ. पूजा इसके अंतर्गत इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड हाइजीन, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड हाइजीन, जर्मनी में प्रोफेसर बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ काम करेंगी, जो माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा को बधाई दी और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य की यह उपलब्धि उल्लेखनीय है और अवश्य ही इसके माध्यम से वे फैलोशिप के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगी।

यहां बता दें कि डॉ. पूजा यादव ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन और टेक्सास मेडिकल स्कूल, ह्यूस्टन से पोस्टडॉक किया है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी डॉ. पूजा को बधाई दी और में एक उपयोगी शोध की कामना की। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित उम्मीदवार को दो से छह महीने की अवधि के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों व विश्वविद्यालयों का दौरा कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करना है।

CUH Faculty Dr. Puja Yadav Selected for SIRE Fellowship

Dr. Puja Yadav, Assistant Professor, Department Microbiology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has received the prestigious SIRE (SERB International Research Experience) fellowship for six months from the Department of Science and Technology, Government of India. Prof. Tankeshawar Kumar, Vice-Chancellor, congratulated Dr. Puja for her achievement. Prof. Surender Singh, HoD, Department of Microbiology, also congratulated Dr. Puja and wished her a successful experience in Germany. He said that Dr. Puja will work at Institute for Medical Microbiology and Hygiene (Germany) with Professor Barbara Spellerberg who is a renowned scientist in the field of Microbiology. This program aims to impart high-end research training in frontier areas of Science and Technology, which are of interest to India for providing opportunities to visit leading institutions/ universities across the globe for a period of 2-6 months. Dr. Puja Yadav has earned her PhD in Microbiology from Jamia Millia Islamia and did her postdoc from Harvard Medical School, Boston and Texas Medical School, Houston.

हकेवि की डॉ. अमित कुमार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से मिली फैलोशिप

मई 19, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में केमेस्ट्री के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए प्रतिष्ठित एसआईआरई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) फैलोशिप प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अमित कुमार को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य की यह उपलब्धि उल्लेखनीय है और अवश्य ही इसके माध्यम से वे फैलोशिप के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

यहां बता दें कि डॉ. अमित कुमार ने नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री ,नई दिल्ली व महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से अपनी पीएच.डी. की है। उन्होंने पोस्टडॉक कुनकुक यूनिवर्सिटी, सिओल, साउथ कोरिया से की है। इसके अलावा डॉ. अमित के नाम तीन पेटेंट भी दर्ज हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने डॉ. अमित कुमार को अमेरिका में मिले शोध के इस अवसर के लिए बधाई दी और बताया कि डॉ. अमित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में प्रो. महला स्टेफन के साथ मिलकर काम करेंगे। यहां बता दें कि प्रो. स्टेफन आर्गेनिग इलैक्ट्रोनिक डिवाइस के विश्वविख्यात वैज्ञानिक है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित उम्मीदवार को दो से छह महीने की अवधि के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों व विश्वविद्यालयों का दौरा कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करना है।

CUH Faculty Dr. Amit Kumar Selected for SIRE Fellowship

Dr. Amit Kumar, Assistant Professor of Chemistry under School of Engineering and Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has received the prestigious SIRE (SERB International Research Experience) fellowship for six months from the Department of Science and Technology, Government of India. On this occasion, Prof. Tankeshawar Kumar, Vice-Chancellor, congratulated Dr. Amit Kumar for his achievement. Prof. Phool Singh, Dean, School of Engineering and Technology, also congratulated Dr. Amit, and wished him success. He said that Dr. Kumar will visit University of Texas at Dallas and work in the Lab. of Prof. Mihaela Stefan for six months in the Department of Chemistry. Prof. Mihaela Stefan is a renowned scientist in the field of Organic Electronic Devices. This Program aims to impart high-end research training in frontier areas of Science and Technology, which are of interest to India for providing opportunities to visit leading Institutions/Universities across the globe for a period of 2-6 months. Presently Dr. Kumar is working in the area of Organic Electronic Devices (OLEDs, OFETs, Sensors) and materials for energy storage systems. He has earned his PhD in Chemistry from National Physical Laboratory, New Delhi, and Maharshi Dayanand University, Rohtak and also did his postdoc from Department of Chemistry, Konkuk University, Seoul, South Korea. Dr. Kumar has Six patents [three granted (01 US and 02 Indian) and three published (Indian)] to his credit and more than 70 research publications in the journals of International repute.

ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेकिंग में हकेवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन

-2022-23 की जारी रैंकिंग में विश्वविद्यालय की श्रेणी में हकेवि 39वें पायदान पर

मई 30, 2022

भारत की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2022-23 जारी हो गई है। इस रेंकिंग में गवर्मेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित भारत की उत्कृष्ट गवर्मेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ न उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय इस बार वर्ष 2020 की 105वीं व 2021 वर्ष की 93वीं रेंक से आगे बढ़कर 2022 वर्ष में 39वें रेंक पर आ गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्राप्त 39वीं रेंकिंग का प्रमाण पत्र राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में एसोशिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) की सदस्य सचिव डॉ. पंकज मित्तल व ईडब्ल्यू के एडिटर श्री दिलीप ठाकुर द्व ारा प्रदान किया गया।

यहां बता दें कि ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2022-23 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दर साल विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है, वह उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की मेहनत का नतीजा है कि कोरोना के मुश्किल समय में भी उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया और बीते एक साल में की गई मेहनत का नतीजा है कि 2021 में प्राप्त 93वीं रेंक से आगे बढ़ते हुए 2022 में विश्वविद्यालय 39वीं रेंक पर आ पहुँचा है। कुलपति ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में ऐसे ही प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

CUH Gives Remarkable Performance in EW India Higher Education Ranking, 39th Rank in the Government Multidisciplinary University Category

India's prestigious EW India Higher Education Ranking 2022-23 has been released. In this ranking, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has performed remarkably in the category of India's Government Multidisciplinary University, which has been determined for Government Universities. This time the University has moved from the 105th rank of the year 2020 and the 93rd rank of the year 2021 to 39th rank. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University, received the 39th Ranking Certificate for Central University of Haryana in a program organised in New Delhi by Dr. Pankaj Mittal, Member Secretary,

Association of Indian Universities (AIU), and Mr. Dilip Thakore, Editor of EW. Prof. Tankeshwar Kumar expressed his gratitude to the students, research scholars, teachers, non-teaching staff, and all the stakeholders of the University for this achievement. He said that there has been a remarkable qualitative increase in the performance of the University year after year. He further added that the University will certainly strive towards remarkable performance in the field of education and will continue to set new records of success.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन ने संसद में रखे अपने विचार

अप्रैल 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की छात्रा सिमरन चौहान ने 16 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय युवा संसद (एनईवाईपी) में अपने विचार रखे। राष्ट्रीय युवा संसद में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की सिमरन चौहान को अपने विचार रखने का अवसर जनवरी में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित हुई प्रतियोगिता में स्थान बनाने के बाद मिला।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और अन्य विद्यार्थियों व आमजन से भी पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के हरित परिसर स्वच्छ परिसर प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी सिमरन को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सिमरन ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता श्री शिवचरण चौहान, माता श्रीमती मंजू चौहान के साथ अपने परिजनों व शिक्षकों को दिया, जिन्होंने उसे बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण में पेड़-पौधों को महत्त्व समझाया। सिमरन ने कहा कि हमें सभी शुभ अवसरों पर पौधारोपण करना चाहिए और पॉलिथीन के स्थान पर कपड़ें के थैले का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सभी के लिए आमजन को प्रेरित कर वह पर्यावरण के प्रति जुड़ाव महसूस करती है।

Simran Chauhan Presented her Views in National Youth Parliament

Simran Chauhan, a student of Structural Engineering, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, expressed her views in the National Youth Parliament (NYP) on 16 April 2022. Ms. Chauhan got the opportunity to express her views in the National Youth Parliament after securing a place in the regional level competition held in January. University Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, congratulated Ms. Simran for this achievement and called upon other students and the general public to protect the environment. In-charge of the Green Campus Clean Campus Cell of the University, Prof. Surendra Singh, also congratulated Ms. Simran and wished her a bright future. Ms. Simran gave the credit of this achievement to her father Shri Shivcharan Chauhan, mother Smt. Manju Chauhan, other family members, and teachers. She said that we should plant saplings on all auspicious occasions and use cloth bags instead of polythene, and that she feels connected to nature by making people aware of all these issues.

हकेवि के संकाय सदस्य को मिला रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022

जून 02, 2022

डॉ. दिनेश कुमार, विभाग अध्यक्ष, भैषजिक विज्ञान विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सहर्ष सूचित किया कि डॉ. सुमित कुमार जो कि भैषजिक विज्ञान विभाग में सहायक प्रो फेसर के रूप में कार्यरत है को टीबी पर उनके शोध कार्य के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स के द्वारा रिसर्च एक्सी लेंस अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स एम एस एम ईऔर कॉर्पो रेट मामलों के मंत्रलय, भारत सरकार के तहत पंजीकृत है। डॉ. कुमार ने नोवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम (एन डी डी एस) तैयार करके टीबी की अग्रिम पंक्ति की परंम्परा गत दवाईको नया रूप देते हुए उसके प्रभाव का `बढ़ने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। टीबी विश्व में संक्रामक रोगों से होने वाली मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2021) के अनुसार, लगभग 4000 लोग प्रति दिन विश्व स्तरपर टीबी से अपनी जान गंवाते हैं और प्रतिदिन करीब 28,000 लोग इस रोकथाम और इलाज योग्य बीमारी स विश्वस्तर पर

संक्रमित हो रहे है। इस प्रकार के शोध निश्चित रूप से टीबी के प्रबंधन के लिए दवा खोज प्रक्रिया को बढ़ावा देंगे। डॉ. कुमार ने आश्वासन दिया कि यह नोवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम (एन डी डी एस) निश्चित रूप से भारत से टीबी के लिए दवा खोज प्रक्रिया को बढ़ावा देंगे। डॉ. कुमार ने आश्वासन दिया कि यह नोवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम (एन डी डी एस) निश्चित रूप से भारत से टीबी के पूर्ण उनमूलन में लोगों के लिए मददगार साबित होगी और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य टीबी मुक्त करने वैश्विक लक्ष्य से पांचसाल पहले यानी 2025 में हासिल किया जा सकता हैं। उनहोंने कहा, टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य असानी से हासिल किया जा सकता है। डॉ. कुमार ने यह भी दी जानकारी कि टीबी अनुसंधान पर विस्तृत अध्ययन के लिए एक परियो जना तैयार की गाई है और जल्द ही वित्तय सहायता के लिए भारत सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। इस उपलब्धि पर माननीय कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, (डॉ) नीलम सांगवान, डीन (स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइ डसाइंसेज) और अन्य संसकाय सदस्य ने डॉ सुमित कुमार को बधाई दी।

CUH Faculty Fetched Research Excellence Award-2022

Dr. Dinesh Kumar, Head, Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana gladly informed that Dr. Sumit Kumar working as Assistant Professor, Department of Pharmaceutical Sciences has been awarded with Research Excellence Award-2022 by Institute of Scholars for his research work on Tuberculosis. Institute of Scholars is registered under Ministry of MSME & Corporate Affairs, Govt. of India. Dr. Kumar has increased the efficacy of conventional marketed first line anti-TB drug by preparing Novel drug delivery system (NDDS). Tuberculosis remains the World's single leading cause of mortality from a contagious agent. According to World Health Organization (2021), nearly 4000 people lose their lives to TB and closer to 28,000 people fall ill with this preventable and curable disease per day globally. This type of research will definitely boost up the drug discovery process for the management of the Tuberculosis. Dr. Kumar assured that this Novel drug delivery system (NDDS) certainly help people in complete eradication of Tuberculosis from India and the target of TB free India will be achieved five years prior i.e 2025 to the TB free world. He added, target of TB free india will be easily achieved. Dr. Kumar also informed that for detailed study on TB research a project has been prepared and will be submitted soon to the government of India for financial assistance. On this achievement Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, Prof. (Dr.) Neelam Sangwan, Dean (School of Interdisciplinary and Applied Sciences) and other faculty members congratulated Dr. Sumit Kumar.

हकेवि में राम नवमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

अप्रैल 10, 2022

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार आज ही के दिन मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए राम नवमी के त्यौहार का हमारे जीवन में विशेष महत्त्व है। भगवान विष्णु के अवतार ने राम के रूप में मानव अवतार में जन्म लिया। भगवान राम का जीवन हमें यह संदेश देता है कि कैसे मानव मर्यादा में रहकर सभी कार्यों को पूर्ण कर सकता है। यह विचार केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राम नवमी के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अटेली के विधायक सीताराम यादव, महेंद्रगढ़ बीजेपी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट राकेश शर्मा, एसडीएम दिनेश कुमार तथा जिला सेवा, महावीर कौशिक भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कौशल किशोर ने सभी को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए आज मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम के जन्मदिन पर हमें नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज अभियान कौशल का एक अभियान नहीं बल्कि एक आंदोलन है और नशे के खिलाफ इस आंदोलन में हम सभी को सक्रिय रूप से भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व की 22 प्रतिशत युवा शक्ति भारत में रहती है। यदि हम भारत को सुदृढ़, और आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं तो हमें नशा मुक्त समाज का संकल्प लेते हुए नशा मुक्त समाज अभियान कौशल को में अपना योगदान देना होगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नशे से दूर रहने और इसके लिए दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 18 लाख लोग नशा मुक्ति का संकल्प कर चुके हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति व कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रामायण की कहानी विज्ञान की जुबानी विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण देते हुए कहा कि रामायण का अर्थ है राम का अयण अर्थात भ्रमण। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति विश्व समुदाय का मार्गदर्शन करती रही है। हमारे यहां रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना हुई, जो आज भी जन-जन में लोकप्रिय है। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की। इसमें मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के चरित्र का विस्तारित विवरण काव्य रूप में किया गया है। महर्षि वाल्मीकि केवल एक कवि ही नहीं अपितु एक खगोलशासत्री भी थे। खगोलशास्त्र पर उनकी पकड़ रामायण से सिद्ध होती है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आधुनिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से भी यह सिद्ध हो गया है कि रामायण में उद्धृत खगोलीय जानकारी सही व सटीक है। इससे स्पष्ट होता है कि राम कोई मिथक नहीं है और रामायण कोई कल्पना नहीं है। रामायण के समय प्रयोग किए जाने वाले पुष्पक विमान, अस्त्र-शस्त्र, यंत्र, भवन निर्माण आदि इस बात का प्रमाण है कि उस समय हमारा विज्ञान कितना उन्नत एवं सद्धढ़ था। उन्होंने कौशल किशोर द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान की सराहना की और नशा मुक्ति अभियान में साथ मिलकर इस कार्य करने का आश्वासन दिया और सरकार व समाज की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करेंगे।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा श्रीराम स्तुति व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का परिचय नशा मुक्त समाज संकल्प के राष्ट्र संयोजक व विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अक्षतकांत ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन विश्वविद्यालय की विद्यार्थी प्रिया भारद्वाज ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. प्रदीप नरवाल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मनीष कुमार, राधेश्याम सिंह सहित अक्षतकांत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

Special Program Organised on the Occasion of Ram Navami

On the pious occasion of Ram Navmi, CUH invited distinguished guests to celebrate this

festival with fervour and delight. Union Minister of State for Housing and Urban Affairs, Mr. Kaushal Kishor, addressed the students and said that Lord Ram is the epitome of dignity and virtue and we all can take inspiration from his life as described in the ancient texts. The Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, was present as the keynote speaker. Ateli constituency MLA Sitaram Yadav, Mahendragarh BJP District President Advocate Rakesh Sharma, SDM Dinesh Kumar, and District Service, Mahavir Kaushik were also present at the program. While wishing everyone a happy Ram Navami, the chief guest of the program Shri Kaushal Kishor remarked that we should take a pledge to stay away from drugs. He said that 'the drug free society campaign' is a worthy movement and we all should actively participate in it to continue our fight against drug addiction. On this occasion, the Union Minister of State administered a pledge to the teachers, staff, students, and research scholars of the university to stay away from drugs and make others aware about it. He said that so far 18 lakh people have taken a pledge to get rid of drug addiction under this campaign. The Vice-Chancellor and the keynote speaker of the program, Prof. Tankeshwar Kumar, while giving his presentation on the topic 'Science in the Story of *Ramayana*', said that Ramayana means the journey of Rama. He said that our Sanatan culture has been guiding the world community. Here epics like *Ramayana* and *Mahabharata* were composed, which are still popular among the masses. Adikavi Maharishi Valmiki composed the *Ramayana*. In the epic, a detailed description of the character of Maryada Purushottam Shri Ram has been rendered in poetic form. Maharishi Valmiki was not only a poet but also an astronomer. His grip on astronomy is proved by the *Ramayana*. Prof. Tankeshwar Kumar said that even through modern technology it has been proved that the astronomical information quoted in *Ramayana* is correct and accurate. It is clear from this that Rama is not a myth and *Ramayana* is not a fiction. The Pushpak Vimana, weapons, instruments, building construction, etc. used during the time of *Ramayana* are proof of how advanced and strong our science was at that time. He appreciated the drug de-addiction campaign being run by Shri Kaushal Kishore and assured him to provide support in fulfilling the needs of the government and society. In the successful organisation of the program, Prof. Sunil Kumar, Dr. AP Sharma, Dr. Pradeep Narwal, Dr. Ranbir Singh, Dr. Manish Kumar, Mr. Radheshyam Singh along with Mr. Akshatkanth played an important role. On this occasion the Deans, Heads of Departments, Teachers, Officers, Employees, Students, Research scholars etc. were also present.

हकेवि अम्बेडकर जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

अप्रैल 14, 2022

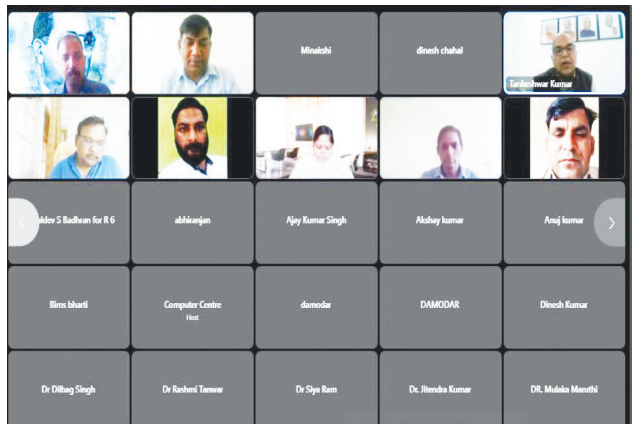

भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत विश्वविद्यालय में स्थित बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर बाबा साहेब के जीवन, कार्य एवं सिद्धांतों पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विश्वविद्यालय में अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आधुनिक भारत के निर्माण में अम्बेडकरवाद के महत्त्व विषय पर केंद्रित ऑनलाइन व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने नए भारत के निर्माण हेतु महत्त्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। जिनकी प्रासंगिकता निरंतर बनी हुई है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिरसा से लोकसभा सदस्य श्रीमती सुनीता दुग्गल उपस्थित रहीं।

विशेषज्ञ व्याख्यान में पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय के एडिशनल एडवोकेट जनरल बलदेव सिंह भदरान, सेवानिवृत्त आईईएस व भारत सरकार के पूर्व एडिशनल इक्नोमिक एडवाइजर के.सी. पिप्पल व सामाजिक कार्यकर्ता व मिशन अम्बेडकर के संस्थापक सूरज कुमार बुद्ध ने संबोधित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए संसद सदस्य श्रीमती सुनीता दुग्गल ने भीमराव अम्बेडकर के योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भीमराव अम्बेडकर के द्वारा प्रस्तुत विचारों का उल्लेख करते हुए उनके महत्त्व और उनकी आज के समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता बलदेव सिंह भदरान ने कहा कि अम्बेडकरवाद का मुख्य उद्देश्य हमारे मौलिक अधिकारों को समझने और हमारे देश को असभ्य से सभ्य राष्ट्र में बदलने के लिए मार्गदर्शन करना है। इसी क्रम में अन्य वक्ता के. सी. पिप्पल व सूरज कुमार बुद्ध ने अपने संबोधन में डॉ.भीमराव अम्बेडकर के विचारों व उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों को बताया किस तरह से आधुनिक भारत के निर्माण में उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों का महत्व बना हुआ है।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. अन्तरेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. प्रदीप, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. मनीष खगनवाल, डॉ. शाहजहां, इंजीनियर सन्नी तंवर, श्री शम्मी मेहरा, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. रेनु सिंह, सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे और बाबा साहेब के प्रति अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मिनाक्षी सिन्हा ने किया और अंत में शोध छात्र अक्षय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

An Event Organised to Celebrate the Legacy of Dr. B. R. Ambedkar

On the occasion of the birth anniversary of Bharat Ratna, Dr. Bhimrao Ambedkar, on April 14 (Thursday), various programs were organised by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Cell at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The program began with floral tributes to the statue of Babasaheb Ambedkar located in the university. An exhibition of books based on the life, work, and principles of Babasaheb was also organised. Online lectures focusing the importance of Ambedkarism in the making of modern India were also conducted by the university. Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, in his address mentioned the contribution of Dr. Bhimrao Ambedkar, the architect of the Constitution of India. He recognised that Dr. Ambedkar presented important ideas for the creation of a new India, which are relevant even today. On this occasion Smt. Sunita Duggal, Lok Sabha member from Sirsa was present as the Chief Guest. In the expert lectures, Additional Advocate General, Punjab Haryana High Court, Baldev Singh Bhadran, retired IES and former Additional Economic Adviser to the Government of India, K.C. Pippal and Social Worker and Founder of Mission Ambedkar, Suraj Kumar Buddha addressed the gathering. Smt. Sunita Duggal, remembering the contribution of Bhimrao Ambedkar, advised the audience to follow the path shown by him. Referring to the ideas presented by Bhimrao Ambedkar, she highlighted their importance and their relevance in today's times. Shri Baldev Singh Bhadran, expert speaker in the program, said that the main aim of Ambedkarism is to understand our fundamental rights and guide our country to change from an uncivilised to a civilised nation. In this sequence, the other speakers Shri K.C. Pippal and Shri Suraj Kumar Buddha discussed in detail the ideas and contribution of Dr. Bhimrao Ambedkar and told the participants how he contributed in the making of modern India.

हकेवि में मनाया गया बिहू त्यौहार

अप्रैल 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बिहू त्यौहार मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों ने इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव से भेंट कर उन्हें पारंपरिक गमछा भेंट किया और मिठाई खिलाई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को बिहू त्यौहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

बिहू पर्व कृषि और संस्कृति से जुड़ा त्यौहार है। उन्होंने कहा कि एक तरफ यह त्योहार तीन कृषि चक्रों को इंगित करता है तो दूसरी तरफ बिहू के माध्यम से फसल कटाई और प्रकृति संरक्षण विषयों पर ज्ञान मिलता है। कुलपति ने कहा कि बिहू असम के लोगों की भावना से जुड़ा त्यौहार है।

Bihu Festival Celebration

Bihu festival was celebrated at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The students from North-Eastern States of India, studying in the university presented the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, and Prof. Sunita Srivastava a traditional *gamcha* and sweets. Prof. Kumar while wishing the students on the occasion of Bihu said that Bihu is a harvest festival that is celebrated to mark the shift in the Sun's solstice. The Sun which enters its transitory phase towards North is celebrated with much fervour and enthusiasm across the nation for its significant impact on agriculture and crops. He said that on one hand this festival signifies three agricultural cycles and on the other hand it is a celebration of the spirit of Assameese culture and traditions.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस

मई 09, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेड क्रॉस की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्ज़रलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यूनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेड क्रॉस दिवस की बधाई दी। डॉ. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निःस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

World Red Cross Day

World Red Cross Day was organised under the joint aegis of Youth Red Cross and National Service Scheme (NSS) at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. University Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, motivated all the volunteers and said in his message that the purpose of celebrating World Red Cross Day is to protect the lives of the citizens of the country in adversity, to save human life, to protect injured civilians, and to serve the needy people around the world. University's Dean Student Welfare, Prof. Anand Sharma, said that the Red Cross is an international organisation. It was started by Sir Jean Henri Dunant. The International Red Cross Society was established in 1863 in Geneva, Switzerland. The Red Cross organization also received the Nobel Peace Prize in the years 1917, 1944 and 1963. World Red Cross Day is celebrated every year on 8 May. In the program, University's Youth Red Cross Convenor, Dr. Dinesh Chahal, congratulated everyone on World Red Cross Day. Dr. Chahal said that whether it is an epidemic like Corona or the Russia-Ukraine war, Youth Red Cross has always worked selflessly for the service of humanity.

हकेवि में नारद जयंती पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

मई 18, 2022

आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जायेंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख श्री राजेश कुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदले रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं। उनके इसी आंकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। उन्होंने पत्रकारिता को एक ऐसा विषय बताया जिसमें विशेषज्ञता के लिए किसी भी व्यक्ति का मल्टीडिसिप्लनरी सोच के साथ विकास करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है इसलिए इस क्षेत्र में सफलता के लिए निरंतर लगन व नेकनियत के साथ आगे बढ़े और नया सीखने के लिए तत्पर रहे। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता श्री राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिंकदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया जिनकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर उसे बेहतर दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। इस मौके पर उन्होंने युवा व भावी पत्रकारों से कहा कि वो अपने समय को संचार के विभिन्न माध्यमों पर व्यर्थ गंवाने की बजाय उन माध्यमों का प्रयोग अपनी क्षमताओं के विकास पर लगाए। विभिन्न विषयों पर वैचारिक विमर्श को बढ़ाए और 2047 के भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दें। वो भारत जोकि सबल हो, सक्षम हो, सुद्रढ़ हो। श्री राजेश कुमार ने अपने संबोधन में पत्रकार और पत्रकारिता के महत्व पर विस्तार से ध्यान आकर्षित किया। इससे पूर्व में विश्व संवाद केंद्र के जिला प्रमुख कैलाश पाली ने भी देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता पर ध्यानाकर्षित किया।

आयोजन की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मूल्यों से अवगत कराया। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने सूचना के इस दौर में सावधानी की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि विभिन्न सूचनाओं की प्रमाणित की जांच कितनी आवश्यक है। आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी श्री आलेख एस नायक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो.दिनेश कुमार गुप्ता, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. ए.पी.शर्मा, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. दिलाबाग सिंह और डॉ. सुरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

Expert Lecture Organised on Narad Jayanti

In today's era of ICT, the role of a journalist and a media person is of utmost importance for any nation. Talking about Devrishi Narad, the Vice-Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar, remarked that Naradmuni was the first journalist of ancient India and today's budding journalists should do journalism in public interest by taking inspiration from his life. The expert lecture was organised by the Department of Journalism and Mass Communication and Vishwa Samvad Kendra, Haryana to mark Devrishi Narad Jayanti on Tuesday, May 18. On this occasion, Prant Prachar Pramukh (Vishwa Samvad Kendra, Haryana) Shri Rajesh Kumar was present as an expert speaker. Shri Rajesh Kumar said that dialogue is the only medium through which the thought process of a society can develop and grow in a fruitful direction. We should promote healthy dialogue on various subjects and contribute to the realisation of India's vision of 2047. Prof. Anand Sharma, Dean Student Welfare of the University, threw light on the subject and made the students aware of the values of journalism. Prof. Pramod Kumar emphasised the need for caution in this era of information and told how important it is to verify the authenticity of information. The Teacher-in-charge of the Department of Journalism and Mass Communication, Mr. Alekh S. Nayak, conducted the stage.

हकेवि में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

मई 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का विषय बिल्डिंग ए शेयर्ड फ्यूचर फॉर ऑल लाइफ' रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पक्षी जीवन के संरक्षण पर जोर दिया और कहा कि पशु-पक्षियों, पेड़ों की देखभाल करना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने इस मौके पर सालभर चलने वाली फोटोग्राफी प्रतियोगिता जिसका थीम हकेवि के पक्षी मित्रों को जानें है, की भी शुरूआत की।

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध पक्षियों व प्रकृति के जुड़े विभिन्न पक्षों पर विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी कार्य करेंगे। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत आने वाली आवेदनों में से पाँच सर्वश्रेष्ठ आवेदनों को कुलपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य मात्र पक्षियों का संरक्षण करना ही नहीं बल्कि अन्य जीवों के विषय में भी सोचना है। उन्होंने इस मौके पर पक्षियों के विविधता को हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत कराने का भी सुझाव दिया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने जैव विविधता के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. उषा नागराजन ने प्रतियोगिता के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार, आयोजन के सह-संयोजक श्री आलेख एस. नायक, प्रो. पवन कुमार मौर्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनीता कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Photography Competition on International Biodiversity Day

Green Campus Clean Campus Club & Journalism and Mass Communication department of Central University of Haryana celebrated International Biodiversity Day through online mode. The theme of International Day for Biological Diversity 2022 is 'Building a Shared Future for All Life'. Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, emphasised the need for conservation of birdlife in the campus and reiterated that it is our moral duty to take care of birds, animals, and trees. He also emphasised that this day will be celebrated throughout the year in our campus and launched photography competition on the theme "Know Your CUH Bird Friends". The main aim of this year long event is to document the diversity of birds in campus. Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics, also briefed the audience about the biodiversity and conservation of not only birds but other species too. Prof. Surender Singh, Convener of the programme, stressed upon preserving the biodiversity so that coming generations can also relish them. Dr. Usha, Organising Secretary of the programme, briefed about the photography competition.

हकेवि में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जून 05, 2022

प्रकृति हमें जीवन देती है। प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति विशेष अथवा सरकार की नहीं बल्कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित पौधारोपण करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में हनुमान जोहड़ी धाम, भिवानी के बालयोगी महंत चरणदास विशिष्ट अतिथि के रूप में जबकि फारेस्ट रेंज ऑफिसर नरेंद्र यादव, जल शक्ति एवं पौधागिरी अभियान महेंद्रगढ़ के प्रभारी राजेश शर्मा झाडली व रेडक्रॉस सोसायटी महेंद्रगढ़ के ब्लॉक कार्डिनेटर दिनेश शर्मा गणमान्य अतिथि में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा पर्यावरण अध्ययन विभाग, ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सभी चीजें हमें पर्यावरण से ही मिलती हैं। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम स्वयं भी पर्यावरण की रक्षा करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बालयोगी

महंत चरणदास ने विश्वविद्यालय परिसर में लगे पेड़-पौधों और हरियाली को देखकर कहा कि विश्वविद्यालय अपने अथक प्रयासों से मरूस्थल में हरियाली लाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से लगे इस क्षेत्र में पेड़ उगाना बहुत मेहनत का कार्य है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित इस कार्य में लगे कर्मचारियों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासरत है। कार्यक्रम तथा नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण एवं इससे संबंधित समस्याओं की गंभीरता से परिचित है। धरती पर संतुलन बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने में केंद्र प्रयासरत है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. शांतेश कुमार, एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रविदत्त, डॉ. शाहजहान, सुंदर लाल, दिलीप पटेल, प्रदीप कुमार, सुनील अग्रवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Poster Making Competition on World Environment Day-2022

Department of Environmental Studies, Central University of Haryana, celebrated World Environment Day-2022 on the theme of 'Only One Earth'. The purpose of the occasion was to highlight the agenda that this planet is our only home. A poster making competition was organised under the guidance of Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar. This competition was inaugurated by Hon'ble Shri Justice Surya Kant, Judge, Supreme Court of India. On this occasion Prof. Tankeshwar Kumar said that the competition will pave a path to sustainability and awareness. Dr. Mona Sharma, Head of the Department of Environmental Studies informed that enthusiastic participation of the students towards the competition was wonderful and more than 20 poster entries were received. Prof. Surender Singh, Head, Department of Microbiology, and Dr. Dilip Kumar Patel, Department of Education, were part of the evaluation committee.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने ली रक्तदान करने की शपथ

जून 15, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवकों ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान करने की शपथ ली। रक्त के विभिन्न आठ समूहों की खोज करने वाले आस्ट्रिया के नोबेल पुरस्कृत वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने मानवता की सेवा व सुरक्षा के लिए यह महान खोज करके मानव जीवन को एक अमूल्य उपहार दिया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को शपथ दिलवाने के बाद विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। हमें स्वयं भी रक्तदान चाहिए और दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए।

कुलपति ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करता है। स्वैच्छिक रक्तदान सेवाएं रेडक्रॉस की गतिविधियों का मुख्य हिस्सा है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने अपनी रक्तदान सेवाएं बाधित नहीं होने दी। अपने समर्पित स्वयंसेवकों के माध्यम से लगातार विषम परिस्थितियों में भी मानवता की सेवा की है। इस मौके पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. खेराज, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. किरण रानी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना और यूथ क्रॉस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

World Blood Donor Day

Volunteers at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, took oath to donate blood on the occasion of World Blood Donor Day. World Blood Donor Day is celebrated every year on 14 June to commemorate the birthday of Karl Landsteiner, the Nobel Prize winner of Austria, who discovered eight different blood groups.

After administering the oath to the volunteers on the occasion, University Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, said that blood donation has been called *Mahadan*. We ourselves should donate blood and motivate others also to donate blood. The Vice-Chancellor said that donating blood gives new life to the needy. Voluntary blood donation services form a core part of the activities of the Red Cross. The volunteers of Central University of Haryana did not allow their blood donation services to be interrupted during the global pandemic like COVID-19. On this occasion Prof. Pramod Kumar, Prof. Sarika Sharma, Dr. Kheraj, Dr. Jitendra Kumar, Dr. Dinesh Chahal, Dr. Renu Yadav, Dr. Kiran Rani, along with volunteers of National Service Scheme and Youth Cross, were present.

स्वस्थ जीवन के लिए योग महत्त्वपूर्ण- प्रो. टंकेश्वर कुमार

-हकेवि में आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन

जून 21, 2022

जीवन में सफलता के लिए स्वस्थ शरीर, मन मस्तिष्क का योगदान सबसे अहम होता है। स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम, ध्यान की भूमिका पुरातन काल से महत्त्वपूर्ण रही है। यही कारण है कि योग भारतीय ही नहीं बल्कि आज समूचे विश्व में स्वस्थ जीवन का आधार माना जाता है। योगा फॉर ह्यूमेनिटी की थीम पर आयोजित आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन से स्पष्ट है कि आज योग मानवता के विकास व बेहतरी का पर्याय बन चुका है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारी निवास उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। योगाभ्यास के अंतर्गत आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत प्रतिभागियों ने योग क्रियाएं की तथा इस मौके पर योगा फॉर ह्यूमेनिटी विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन में भी आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, योग विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व योग भारती हरियाणा के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा व प्रो. राजीव कौशिक के नेतृत्व में आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योगा प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योग क्रियाएं आयोजित की गईं। इस मौके पर योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल, विद्यार्थी नीरज, सुवीर व नीति तोमर ने योग क्रियाएं कराईं और उनके महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मैसूरू में योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन लाइव माध्यम से चलाया गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रतिभागियों को जीवन में योग के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सफल, खुशहाल जीवन का आधार बेहतर स्वास्थ्य है और व्यायाम तथा योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर व मन को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का सफल आयोजन एक उपलब्धि है और यह प्रयास एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने इस मौके पर योग विभाग के प्रयासों से योगाभ्यास की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रखने की बात कही। कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योग का ही प्रभाव है कि प्रधानमंत्री निरंतर देश हित में अथक जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम के अगले चरण में पैनल डिस्कशन में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवता के लिए योग के महत्त्व पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत योग की धरती है और भारत पुरातन काल से योग भारतीय जनों के स्वस्थ व सफल जीवन का आधार बना हुआ है। आज समूचा विश्व इसके महत्त्व को जान व समझ रहा है। इसी क्रम में डॉ. पायल चंदेल, प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. अजयपाल व डॉ. अनीता ने योग के महत्त्व से जुड़ें विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा पीठ के द्वारा वंदेमातरम की प्रस्तुति दी गई। आयोजन के दौरान मंत्र का संचालन रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की डॉ. रश्मि तंवर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. पवन कुमार मौर्य ने दिया। इस आयोजन में प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. हरीश,

प्रो. फूल सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. सुनील, डॉ. अंतरेश, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. स्वाति चौधरी, डॉ. सुनीता तंवर, आलेख एन नायक, राजेश जांगड़ा, दिनेश चौहान, राजेश कुमार सिंह आदि ने प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

8th International Yoga Day Organised at CUH, "Yoga is Important for a Healthy Life"- Prof. Tankeshwar Kumar

For a wholesome life, a healthy body and mind are important components. This is the reason why Yoga is considered to be the basis of healthy life not only in India but all over the world. The 8th International Yoga Day organised on the theme of 'Yoga for Humanity' marks that today Yoga has become synonymous with the development and betterment of humanity. This view was shared by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. He informed that more than 1000 participants participated in various programmes organised through online and offline mode by the University. The program was organised by the Dean Student Welfare Office, Department of Yoga, National Service Scheme (NSS), Resident Welfare Association, and Yog Bharti Haryana. Under the leadership of Prof. Sunita Srivastava, the First Lady of the University, Registrar, Prof. Sunil Kumar, Prof. Sarika Sharma, Prof. Anand Sharma, and Prof. Rajeev Kaushik, various yoga activities were conducted as per the Yoga Protocol laid down by the Ministry of AYUSH. Prime Minister Shri Narendra Modi's speech was broadcasted live in the university from an event in Mysore. After this, the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, while addressing the participants, made them aware of the importance of yoga in life. On this occasion a panel discussion on 'Yoga for Humanity' was also organised. In this discussion, Prof. Sunita Srivastava highlighted the importance of Yoga for humanity and said that India is the land of Yoga and it has been the basis of healthy and successful life of Indian people since ancient times. Dr. Rashmi Tanwar conducted the stage while the vote of thanks was given by Prof. Pawan Kumar Maurya.

'अखंड भारत संदेश यात्रा' को हकेवि कुलपति ने दिखाई हरी झंडी

अप्रैल 16, 2022

एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत इंडियन मीडिया सेंटर द्वारा प्रदेश में निकाली जा रही अखंड भारत संदेश यात्रा शुक्रवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ पहुँची। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान व अंडमान निकोबार की 131 छात्राओं के इस दल को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने महेंद्रगढ़ जिले में प्रचार के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है और अखंड भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए जरूरी है कि भारत की युवा शक्ति इस दिशा में सर्वोत्तम प्रयास करें।

विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर इंडियन मीडिया सेंटर, हरियाणा के इस प्रयास की जमकर सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों के माध्यम से ही जन-जागरूकता का मार्ग प्रशस्त होता है। कुलपति ने इस दल में शामिल छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा भारत को अखंड बनाने के लिए किया जा रहा यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है और अवश्य ही इसके माध्यम से लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति होगी। विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके इस प्रयास की सराहना की और कहा कि उनकी इस अखंड भारत संदेश यात्रा का संदेश अवश्य ही जन-जन तक पहुँचेगा। इस अवसर पर इंडियन मीडिया सेंटर, हरियाणा के प्रदेश महासचिव नरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि यहां बता दें कि इंडियन मीडिया सेंटर, हरियाणा वर्ष 2013 से यह आयोजन करता आ रहा है और इससे पूर्व में महिला आत्मरक्षा जागरूकता यात्रा, सशक्त बेटी सशक्त भारत यात्रा, सैनिक सम्मान यात्रा, भगत सिंह युवा संदेश यात्रा और सामाजिक समरसता संदेश यात्रा आयोजित की चुकी है। विश्वविद्यालय से रवाना छात्राओं के इस दल ने जिला महेंद्रगढ़ में यात्रा निकाल अखंड भारत का संदेश दिया। शनिवार को प्रातः विश्वविद्यालय

की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल के नेतृत्व में छात्राओं के लिए योगाभ्यास शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को विभिन्न योग क्रियाएं करवाई गई और उनके महत्त्व से उन्हें अवगत कराया गया। इसके पश्चात यह दल विश्वविद्यालय से कनीना के लिए रवाना हुआ। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व स्वयंसेवकों ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता की और इस आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इस मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अजय पाल शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह के साथ स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

'Akhand Bharat Sandesh Yatra' was Flagged Off by CUH Vice-Chancellor

Akhand Bharat Sandesh Yatra organised by the Indian Media Center in the Haryana state under Ek Bharat Shrestha Bharat Abhiyan, reached Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh on Friday, April 16. This team of 131 girl students from Haryana, Uttar Pradesh, Delhi, Rajasthan, and Andaman and Nicobar were welcomed by the Vice-Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar. Prof. Kumar flagged off the campaign in Mahendragarh district. He said that the role of youth in nation building is very important and to realise the vision of Akhand Bharat, it is necessary that the youth of India should make best efforts in this direction. The Vice-Chancellor of the University highly appreciated this effort of the Indian Media Centre and said that through such efforts the way towards public awareness is paved. Prof. Sunita Shrivastava said that the message of this Akhand Bharat Sandesh Yatra will definitely reach the people. State General Secretary (Indian Media Centre, Haryana) Narendra Singh informed the audience that they have been organising the event since the year 2013. This team of girl students leaving the university gave the message of a united India.

हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

मई 07, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

Two-Day Workshop and Exhibition on Cow-Based Products

A two-day workshop and exhibition on cow-based products ended on Saturday, May 7 at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. On the second day of this training workshop, Dr. O.P. Yadav was the chief guest and Professor of Management, Department of Delhi University, Prof. R.P. Tulsiyan was also present as the special guest. University Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, welcomed the esteemed guests. In his address Dr. O.P. Yadav said that 70 percent of the population of India earns its livelihood through agriculture. Farmers have contributed a lot to the country's economy. So, to make India self-reliant, it is very important to make the farmers of India self-reliant. The special guest in the program Prof. R.P. Tulsiyan said that Central University of Haryana is the first such university in the country which is working to make farmers self-reliant along with providing training in education, science and technology. On this occasion, the Registrar of the University, Prof. Sunil Kumar, elaborated on the work being done by the. He said that the university is working towards making the villages of the region prosperous. Convener of the University's Innovation and Incubation Center, Prof. Sunita Srivastava, said that under the direction of the Vice-Chancellor, the university is working on the front of education as well as social concerns.

हकेवि परिसर में इको-फ्रैंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत

मई 12, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी

विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Eco-friendly E-rickshaw Service for CUH Campus

For the convenience of transportation within the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh campus, Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar on Thursday, May 12 launched an eco-friendly e-rickshaw service. Five e-rickshaws are being made available for the commute of students, research scholars, teachers, staff and visitors from one place to another within the University campus. While inaugurating this facility, the Vice-Chancellor said that through this facility, there will be ease in commuting and the battery based e-rickshaw being eco-friendly will also help in reducing pollution. Prof. Sunil Kumar, (Registrar) said that the need was felt to develop eco-friendly alternatives of transport for commuting within the University.

हकेवि विद्यार्थियों ने कमोद गाँव का किया शोध भ्रमण

मई 17, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी दादरी जिले के कमोद गाँव का एक दिवसीय शोध भ्रमण किया। इस शोध के मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रूझान, ग्राम पंचायत द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के शोध भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इसके माध्यम से उन्हें अपने ज्ञान के आधार पर वास्तविक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की विभाग प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई, सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए इस शोध भ्रमण के विषय मेंकमोद गाँव के सरपंच श्री सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कमोद को गाँव के विकास के लिए किए गये प्रयासों के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छः स्टार मिले हैं जो पूरे गाँव के लिए एक गर्व का विषय है। इस शोध भ्रमण में विभाग के अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

Research Tour to Kamod Village

Students of Sociology Department of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh undertook a one-day research tour to village Kamod in Charkhi Dadri district. The main objectives of this research are to study the attitude of the villagers towards government schools, to study the efforts made by the Gram Panchayat under the 'Beti Bachao, Beti Padhao' program, to understand the role of caste in the Gram Panchayat and to understand the importance of the Haryana Panchayati Raj Amendment Act, 2015. University Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar described this type of research tour as useful for the students and said that it helps them to understand the real situations on the basis of their knowledge. The research tour was conducted under the guidance of Dr. T. Longkoi, Dr. Yudhveer Zaildar, and Ms. Tanvi Bhati. Sarpanch of Kamod village, Mr. Sudarshan told that Gram Panchayat Kamod was given responsibility for the development of the village and for the efforts done for the same it received six stars out of seven stars from Haryana government, which is a matter of pride for the entire village. In this research tour, 32 participants including teachers, students and research scholars of the department took part.

हकेवि में जेंडर जस्टिस पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

मई 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा शुक्रवार को जेंडर जस्टिस पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को लैंगिक समानता व न्याय के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी जेंडर जस्टिस के प्रति जागरूक होंगे और समाज में भी इस ज्ञान को प्रसारित करने में सहयोग करेंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित इस कार्यक्रम के सबंध में समिति की संयोजक डॉ. कल्पना चौहान, सदस्य डॉ. पायल चंदेल व डॉ. प्रदीप सिंह ने बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और जेंडर जस्टिस पर केंद्रित कृतियों को केन्वस पर उकेरा। इस पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के संबंध में डॉ. प्रदीप सिंह ने बताया कि आज के समय में विद्यार्थियों को जेंडर जस्टिस के संबंध में जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों का लाभ विद्यार्थियों को मिलता है और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम में डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. मोना शर्मा व डॉ. रेनु यादव निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पोषण जीवविज्ञान विभाग की अबिना मैथ्यू ने प्रथम, बी.एड. की विजयलक्ष्मी महावर ने द्वितीय तथा बी. वॉक. के अमीर फैजल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विनिता मलिक, दिलीप पटेल सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Poster Making Competition on Gender Justice

A poster making competition focused on Gender Justice was organised by the Internal Complaints Committee of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Friday, May 27. The purpose of this event was to make the students aware of gender equality and justice. While appreciating this effort of the organising committee, the Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, said that surely through this the students will be made aware of gender justice and will cooperate in spreading this knowledge in the society as well. Dr. Kalpana Chauhan, Convener of the programme, and Dr. Payal Chandel and Dr. Pradeep Singh, members of the committee said that the students of different departments of the University participated enthusiastically in this event and carved on canvas the works focused on gender justice. Dr. Pradeep Singh said that in today's time it is very important for the students to be aware about gender justice. Dr. Dharampal Poonia, Dr. Mona Sharma and Dr. Renu Yadav were present in the program as members of the jury. In the poster making competition, Abina Mathew, Department of Nutritional Biology got first, Vijayalakshmi Mahavar of B.Ed. got second, while Amir Faisal from B.Voc. secured the third position. Teachers and students of various departments including Vinita Malik, Dilip Patel were present at the program.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हकेवि में विशेष कार्यक्रम आयोजित

मई 31, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्र सरकार में मंत्री श्री कौशल किशोर ने कहा कि नशे से दूर रहें, यह वो बीमारी है जिससे न सिर्फ नशे के शिकार व्यक्ति का जीवन खत्म होता है बल्कि उसका परिवार भी तबाह हो जाता है। उन्होंने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सभी युवाओं को नशे से दूर रहने और उसके खिलाफ सामाजिक अभियान चलाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने तम्बाकू के सेवन से होने वाले नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष करीब 80 लाख लोग नशे से प्रभावित होते हैं। उन्होंने इस मौके पर युवाओं

से नशे से दूर रहने और इससे बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने इस आयोजन के लिए आयोजको को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के दिन विद्यार्थियों को तम्बाकू से होने वाली हानि से अवगत कराने के उद्देश्य से यह आयोजन महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से आयोजक निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर पाएंगे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, विज्ञान भारती, हरियाणा प्रांत, नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का व विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के साझा प्रयासों से प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में सामाजिक समरसता हरियाणा के प्रांत संयोजक श्री मंजुल पालीवाल, डॉ. नितिन कौशिक ने प्रतिभागियों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया। विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने संबाधन में नशे की लत और उससे व्यक्ति, परिवार व समाज को होने वाली हानि की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि इससे बचाव के लिए मिलकर संयुक्त प्रयास करने होंगे। इस प्रयास में जनजागरूकता एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम के आरंभ में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शुरूआत और उसके निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने और इसके प्रति जनजागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. फूल सिंह, डॉ. राजेश कुमार दुबे, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. निशान सिंह व नशा मुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल का राष्ट्रीय प्रभारी अक्षत कांत, शिवम कुमार व हितेश शर्मा सहित भारी संख्या में विश्वविद्यालय विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

Awareness Program on World No Tobacco Day

An awareness program was organised on the occasion of World No Tobacco Day at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. While addressing the audience, Central Minister Mr. Kaushal Kishore askes everyone to stay away from drugs as drug addiction is a disease that not only ends the life of a drug addict but also destroys his family. On World No Tobacco Day, he administered a pledge to all the youth to stay away from drugs and run a social campaign against it. While mentioning the harm caused by the consumption of tobacco, the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, said that according to an estimate about 80 lakh people are affected by drugs every year. On this occasion, he urged the youth to stay away from drugs and run a public awareness campaign to prevent drug addiction. The program was organised with the joint efforts of the Department of Electrical Engineering, Vigyan Bharati, Haryana Prant, Drug Free Social Movement Campaign Skill, and the NSS unit of the University. Expert speakers Mr. Manjul Paliwal from Samajik Samrasta Haryana and Dr. Nitin Kaushik apprised the participants about the ill-effects of tobacco and made them aware about its prevention.

हकेवि में साइकिल यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जून 04, 2022

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्व ारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है। ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बार में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश

चहल ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत निकाली गई फिट इंडिया फ्रीडम राइडर साइकिल रैली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से शुरू होकर वाईफाई सर्कल पर समाप्त हुई। इस रैली में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

Cycle Tour at CUH with a Message on Environment Protection

On the occasion of World Cycle Day a cycle yatra was taken out under the leadership of Prof. Tankeshwar Kumar, the Vice-Chancellor of the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The purpose of this cycle rally, organised by the National Service Scheme (NSS) unit of the University in collaboration with the NSS Regional Directorate, Delhi, was to make people aware of environmental protection. Prof. Tankeshwar Kumar said that due to pollution, even breathing in open air has started proving fatal. In such a situation, the purpose of the cycle rally is to make the university family and the general public aware about the pollution free environment. Along with this, he mentioned, efforts are being made to keep the young generation physically fit through this cycle rally. Dr. Dinesh Chahal, co-ordinator of the NSS unit of the university, said that the Fit India Freedom Rider Cycle Rally, which was taken out under the **Azadi Ka Amrit Mahotsav** campaign, started from the administrative building of the university and ended at the WiFi circle. In this rally, the Dean of Student Welfare of the University, Prof. Anand Sharma, Nodal Officer of Azadi Ka Amrit Mahotsav campaign, Prof. Sarika Sharma, other teachers, officers, employees of the university, their children, students, and research scholars participated.

जल संरक्षक जोड़ो अभियान की हुई शुरूआत

जून 11, 2022

मिशन महेंद्रगढ़: अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने गांव से स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविवद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। जल पुरूष ने इस मौके पर सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सेल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित जल संरक्षक अभियान की शुरूआत के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभांभ दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में आईआईटीटीएम के श्री बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विशेषज्ञों व अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने जल संरक्षण की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षित करने के लिए यदि हमनें सामूहिक प्रयास नहीं किए तो भविष्य में पानी की समस्या गंभीर से बहुत गंभीर हो

जाएगी। उन्होंने जल संरक्षण अभियान में सभी के सहयोग करने का आह्वान किया और कहा कि अब समय आ गया है कि जल संरक्षण का प्रण लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आज का यह प्रयास अवश्य ही इस लक्ष्य की प्राप्ति में निर्णायक भूमिका निभाएगा और मुझे विश्वास है कि डॉ. राजेंद्र सिंह, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमारव जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर के मार्गदर्शन व निर्देशन में हम इस कार्य को बखूबी पूर्ण कर पाएंगे। कुलसचिव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से स्थानीय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय सहयोग के लिए सदैव तत्पर है।

इस मौके पर उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने अपने संबोधन में कहा कि जिला में 1 जून से मिशन महेन्द्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात हो तो वह बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उन्होंने कहा कि जब यह पानी इन गड्ढों में भर जाएगा तो वह धीरे धीरे धरती की गोद में समा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें शारीरिक मेहनत करके हर व्यक्ति अपना सहयोग दे सकता है। इसमें पैसा खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने एक बैंक का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे बैंक खाते में पैसा जमा होता है अगर उसमें पैसा जमा न करवाएं तथा धीरे-धीरे उसमें से पैसा निकलवाते रहें तो वह सारा पैसा धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा। इसी प्रकार अगर हम धरती से जल निकालते रहे और अगर जल का सरंक्षण नहीं किया तो एक दिन पीने के पानी के लिए भी बहुत भयावह स्थिति होगी। उन्होंने कहा कि मैं जब प्रण लेता हूँ तो उसे पूरा करता हूँ और इसके लिए मैं स्थानीय सहयोग के साथ आगे बढ़ने पर विश्वास रखता हूँ। जिला उपायुक्त ने 2017 से इस दिशा में जारी प्रयासों की बात करते हुए सेल्फी विद तलैया व जगह-जगह गडढ़े तैयार कर वर्षा जल संचयन व अपशिष्ट जल के संचयन की दिशा में प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा कि हम इस लक्ष्य को अपसी सहयोग से बेहद सहज रूप से प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़, पेड़ लगाने और जल संरक्षण के बीच अंतर्संबंध का उल्लेख भी किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल पुरूष व मैगससे अवार्ड विजेता डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए तकनीक, इंजीनियरिंग कौशल के ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़े। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भूगोल बदलने में समय लगता है और इसके लिए सामूहिक प्रयास समाज को संगठित कर करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन को मिलकर जल साक्षरता अभियान की शुरूआत करने के लिए प्रेरित किया। जिसे मौके पर ही जिला उपायुक्त व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वीकार कर लिया। उद्घाटन कार्यक्रम के अंतिम चरण में श्रीमती इंदिरा खुराना ने जल संरक्षण की दिशा में महेंद्रगढ़ जिले में शुरू हुए इस अभियान को महत्त्वपूर्ण बताया और इसके लिए भविष्य की कार्ययोजना तैयार कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्त्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। डॉ. ज्योति आभीर ने जमीनी स्तर पर इस दिशा में जारी प्रयासों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जल संरक्षण के लिए इस अभियान में सम्मिलित सभी प्रतिभागी स्थानीय स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार करें। कार्यक्रम के अंत में रमेश शर्मा में गीत प्रस्तुत किया और रामनिवास यादव ने जल संरक्षण को महत्त्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ श्री दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आरती यादव, डॉ. रेनु यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. विकास गर्ग, सुंदर लाल शर्मा, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

'Jal Sangrakshak Jodo' Campaign Launched

With the joint efforts of the Indian Himalayan River Basin Council, Tarun Bharat Sangh, District Administration, Mahendragarh, and IITTM, Ministry of Tourism, Government of India, under "Mission Mahendragarh: Apna Jal, Swachh Bharat Mission, Mahendragarh", 'Jal Sangrakshak Jodo Abhiyan' was started at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. On this occasion, Jal Purush and Magsaysay Awardee Dr. Rajendra Singh called upon the representatives of the local villages, the officials of schools and colleges, and the teachers, students, and employees of the University and suggested that if Mahendergarh has to increase its water level, all have to make necessary efforts at ground level. District Deputy Commissioner Dr. J.K. Abhir assured all possible support to the ongoing efforts and called for collective participation. Mr Babu Lal

Yadav of IITTM presented the outline of the program and introduced the experts and guests. Prof. Sunil Kumar, Registrar CUH, delivered the welcome address and said that the efforts taken today will play a decisive role in achieving future goals. Dr J.K. Abhir, Deputy Commissioner, Mahendergarh, started his address with "Mission Mahendragarh: Apna Jal", which was started in Mahendergarh district on June 1. Jal Purush Dr Rajendra Singh, the chief guest of the program, said that for the success of this campaign, it is more important that the mind of the society is connected with water than technology and engineering skills. The District Deputy Commissioner, and the first lady of the University Prof. Sunita Srivastava, accepted it on the spot. In the last phase of the inaugural program, Smt. Indira Khurana described the campaign started in Mahendergarh district as important in the direction of water conservation and motivated to move forward by preparing a future action plan for it. Dr Jyoti Abhir, while drawing attention to the ongoing efforts in this direction at the ground level, said that all the participants involved in the campaign for water conservation should propagate it at the local level. At the end of the program, Ramesh Sharma presented a song and Ram Niwas Yadav emphasised the importance of water conservation. At the end of the program, Shri Dinesh Kumar, Joint CEO, Ayushman Bharat, gave the vote of thanks.

हकेवि में डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत पंजीकरण अब 30 जून तक

-अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को यूपीएससी परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग देगा हकेवि

जून 15, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु स्थापित डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डेस) के अंतर्गत आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ाकर 30 जून 2022 कर दी गई है। विश्वविद्यालय इस केंद्र के अंतर्गत अनुसूचित जाति के 100 युवाओं को यूपीएससी प्रिलिम्स और मुख्य परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह केंद्र हरियाणा राज्य में स्थापित एकमात्र केंद्र है और इसका उद्देश्य प्रशासनिक क्षमताएं रखने वाले अनुसूचित जाति के युवाओं को देश के विकास में योगदान के लिए अवसर प्रदान करना है। डेस के कोर्डिनेटर डॉ. अन्तरेश कुमार ने बताया कि इस केंद्र के अंतर्गत दाखिले हेतु आवेदन की प्रक्रिया 1 जून से जारी है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 जून कर दिया गया है। निःशुल्क कोचिंग के इच्छुक आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन पत्र के माध्यम से आगामी 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। डॉ. अन्तरेश कुमार ने बताया कि डेस के लिए देशभर से अनुसूचित के विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। इसमें सौ सीटें होंगी, जिसमें 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी। दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे,जो सामान्य ज्ञान, भाषा कौशल, तर्क क्षमता और सामान्य योग्यता का परीक्षण, पर आध ाारित होंगे। चयनित अभ्यर्थी निःशुल्क कोचिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। सफल उम्मीदवारों की सूची योग्यता के आधार पर बनाई जाएगी। इस सेंटर में विश्वविद्यालय की फैकल्टी के अलावा बाहरी प्रोफेशनल्स भी कोचिंग देंगे।

Registration under Dr. Ambedkar Centre of Excellence (CUH)

-CUH will provide free coaching to the SC students for UPSC Exam

The last date for registration under Dr Ambedkar Center of Excellence (DACE), established in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh to prepare the Scheduled Caste students for the competitive examinations of the Union Public Service Commission (UPSC), has been extended from June 15 to June 30, 2022. The University will provide free coaching for UPSC Prelims and Main Examination to 100 scheduled caste students under this centre. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, said that this is the only centre established in the state of Haryana

and its objective is to provide opportunities to the scheduled caste youth so that they can contribute to the development of the country. Dr Antresh Kumar, Program Co-ordinator of DACE, informed that the last date of registration has been extended from June 15 to June 30 and applicants interested in free coaching can apply through the application form available on the website of the University till June 30. Dr Antresh Kumar also informed that the selection of scheduled caste students from all over the country for DACE will be done on the basis of an entrance examination. There will be 100 seats of which 33 per cent will be reserved for women candidates. The entrance test to be conducted for admission will consist of 100 objective-type questions related to general knowledge, language skills, reasoning ability, and general aptitude. The selection will be made on merit basis. Selected candidates can avail free coaching facility. Apart from the faculty of the University, professionals from outside will also provide coaching at the center.

कुलपति ने किया 'लर्निंग कर्व / सीयूएच डीएलआईएस' का विमोचन

-पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की अर्द्धवार्षिक पत्रिका

जून 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्व ारा शुरू की गई अद्धवार्षिक पत्रिका 'लर्निंग कर्व / सीयूएच डीएलआईएस' का विमोचन किया। यह पत्रिका मुख्य रूप से विभाग की प्रगति को शैक्षणिक जगत के समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से शुरू की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस शुरूआत के लिए विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस पत्रिका के प्रथम अंक में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास, स्कूल ऑफ इनफार्मेशन स्टडीज के डीन प्रोफेसर किंशुक, अशोका यूनिवर्सिटी के पुस्तकालय सेवा के निदेशक श्री बी.पी. प्रकाश एवं यूनिवर्सिटी ऑफ परमा, इटली की प्रोफेसर अन्ना मारिया टैमारो जैसी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की हस्तियों के साक्षात्कार प्रकाशित किए गए हैं। सभी साक्षात्कार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा लिए गए हैं। प्रो. गुप्ता ने बताया कि इस प्रयास के माध्यम से पुस्तकालय एवं सूचना के क्षेत्र मे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे परिवर्तनों, शिक्षा एवं शोध से संबंधित क्षेत्रों की अद्यतन जानकारी विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को मिलेगी। पत्रिका के विमोचन के अवसर पर जीएनडीयू अमृतसर के रिटायर्ड एमेरिटस प्रोफेसर एमपी सतीजा, प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार, डीन अकादमिक प्रोफेसर दिनेश कुमार, प्रोफेसर रंजन अनेजा, विभाग के सह आचार्य श्रीराम पांडे, सहायक आचार्य अमित कुमार व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Prof. Tankeshwar Kumar releases 'Learning Curve @ CUH DLIS'
-Half-yearly magazine of the Department of Library and Information Science

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, released the bi-annual magazine 'Learning Curve @ CUH DLIS' launched by the Department of Library and Information Science. The aim to start this magazine is to present the progress of the department to the academic world. Prof. Tankeshwar Kumar congratulated faculty members and students of the department for this initiative. Prof. Dinesh Kumar Gupta, HoD, Department of Library and Information Science, told that in the first issue of this magazine interviews of library and information science personalities like Professor Kinshuk, Dean of the University of North Texas, School of Information Studies; Shri B.P. Prakash, Director of Library Services, Ashoka University; and Professor Anna Maria Tamaro of the University of Parma, Italy, have been published. All the interviews have been taken by the students of the Department. Prof. Gupta said that through this effort, students, research scholars, and teachers

would get updated information about the changes taking place at the international level in the field of library and information. Prof. M.P.Satija, Retired Emeritus Professor from GNDU; Professor Sunita Srivastava, CUH; Professor Sunil Kumar, Registrar; Professor Dinesh Kumar, Dean Academics; Professor Ranjan Aneja, Shri Ram Pandey, Associate Professor; Amit Kumar, Assistant Professor, and students were present on the occasion of the release of the magazine.

हकेवि मेगा हेल्थ कैंप आयोजित

जून 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर में आयोजित इस हेल्थ कैंप में मेदांता हॉस्पिटल, गुरूग्राम के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वास्थ शरीर की महत्ता से हम भली-भांति अवगत है किंतु आज की व्यस्त जीवन शैली में कहीं न कहीं स्वास्थ्य के लिए आवश्यक उपायों की अनदेखी हो जाती है जोकि ठीक नहीं है। ऐसे में स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक है कि हम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर जागरूक बनें और इस प्रयास में इस तरह के हैल्थ कैंप मददगार साबित होते हैं।

मेदांता हॉस्पिटल, गुरूग्राम की ओर से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस हेल्थ में विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य की जांच की और आवश्यक परामर्श व उपचार के संबंध में जानकारी दी। विश्वविद्यालय में आयोजित इस स्वास्थ्य जांच श्विविर में शैक्षणिक, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके पविारजनों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस शिविर में विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत यादव, डॉ. हिना यादव सहित स्वास्थ्य केंद्र के सभी सहयोगियों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. गुंजन गोयल डॉ. रमेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, अधिकारियों व विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य जांच करवाई।

Mega Health Camp Organised at CUH

A Mega Health Camp was organised on Monday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Experts from Medanta Hospital, Gurugram were present in this health camp organised at the University's Health Centre. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that we are well aware of the importance of a healthy body, but still in today's busy lifestyle, somewhere the necessary measures for health are overlooked, which is not right. He also said that we must become aware of health-related problems and in this endeavour, such health camps prove to be helpful. In this health program, the experts examined the health of the attendees and gave information regarding necessary counselling and treatment. Academic staff, non-teaching staff, and their families actively participated in this health check-up camp. Medical officers of the University, Dr Rajat Yadav, Dr Hina Yadav, and all the colleagues of the health centre played an important role in this camp. On this occasion the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, the first lady of the University, Prof. Sunita Srivastava, Registrar, Prof. Sunil Kumar, Prof. Dinesh Gupta, Prof. Pawan Kumar Maurya, Prof. Gunjan Goyal, Dr Ramesh Kumar, Dr Dinesh Kumar, other employees, officers, and students of various departments got their health check-up done.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

मई 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन विभाग में अध्ययनरत सात विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित अपशिष्ट प्रबंधन कंपनी हाइटेक एनवायरो इंजीनियर्स एण्ड कंसलटेन्स प्रा. लि. में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती बनता जा रहा है तथा चुनौतियां ही हमारे लिए नए अवसरों सृजन करती हैं।

कुलपति ने अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के संयोजक प्रो. पवन कुमार मौर्य व विभाग के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। विभाग के संयोजक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि बी.वॉक. औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के अभिनंदन कुमार, भूपेन्द्र सिंह नागर, अरशद, कुशल कुमार, नवीन देवागंन, अमित झा, उज्जवल की प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण होने के बाद निश्चित हुई है। उन्होंने विभाग के शिक्षकों डॉ. सुषमा यादव, सुनील कुमार, शालू सेठी, पिंकी कांटीवाल, नसीब फोगाट के प्रयासो की सराहना करते हुए कहा कि औद्योगिक अशिष्ट प्रबंधन विभाग व्यवासयिक अध्ययन के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सभी पहलुओ को सार्थक कर रहा है।

Seven Students of the Central University of Haryana Got Placement

Seven students studying in the **Department of Industrial Waste Management**, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh have been provided employment opportunities by the country's reputed waste management company Hi-Tech Enviro Engineers & Consultants Pvt. Ltd. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, said that there is immense employment potential in the field of industrial waste management. He said that due to the increasing population at present, waste management is becoming a challenge and challenges create new opportunities for us. The Vice-Chancellor appreciated the efforts of the Director of the Industrial Waste Management Department, Prof. Pawan Kumar Maurya and the teachers of the department. Department coordinator Prof. Pawan Kumar Maurya said that the placement of Abhinandan Kumar, Bhupendra Singh Nagar, Arshad, Kushal Kumar, Naveen Devgan, Amit Jha and Ujjwal of B.Voc. Industrial Waste Management Department has been assured after the completion of the degree. Appreciating the efforts of the teachers of the department Dr Sushma Yadav, Sunil Kumar, Shalu Sethi, Pinky Kantiwal, and Naseeb Phogat, he said that the Industrial Waste Management Department is making all the aspects of the National Education Policy 2020 meaningful under vocational studies.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिला तीन दिन का औद्योगिक प्रशिक्षण

जून 14, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को औद्योगिक कार्यशाला के अंतर्गत तीन दिन का औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में ओम लॉजिस्टिक्स के विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स व सप्लाई चौन मैनेजमेंट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान प्रतिभागी विद्यार्थियों को इंडस्ट्रियल विजिट, वेयरहाउस विजिट भी करवाई गई। जिसके माध्यम से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के बारे में विद्यार्थियों को समयसामयिक विषयों का जानने-समझने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस तरह के औद्योगिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के कौशल विकास का बढ़ाने में मददगार होते हैं। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इस प्रशिक्षण से विद्यार्थी लाभांवित होंगे।

कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी विद्यार्थियों के

कौशल विकास पर जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक अनुमान के अनुसार भारत में 19 से 24 आयु वर्ग में 5 प्रतिशत से भी कम भारतीयों ने औपचारिक व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त की है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में व्यवसायिक शिक्षा के प्रचार में तेजी लाने की आवश्यकता है और इससे व्यवसायिक शिक्षा में अवश्य सुधार होगा। कुलपति ने बताया कि बी.वॉक. रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रतिस्पर्धी कॉर्पोरेट जगत में ज्ञान और कौशल हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को एक अच्छा मंच प्रदान करता रहा है। विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि इस तरह के औद्योगिक प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में जो व्यावहारिक कौशल विकास होता है उसका उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने बताया कि विभाग इस तरह की कार्यशाला, इंटर्नशिप, विशेषज्ञ व्याख्यान व व्यवहारिक गतिविधियों का आयोजन समय.समय पर कराता रहता है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भविष्य बनाने और उसमें उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं को जानने में मदद मिली।

Students Received Three-Day Industrial Training

Courses are available under the Department of Vocational Studies and Skill Development at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Three-day industrial training was provided to the students of Retail and Logistics Management under the Industrial Workshop. In this training workshop, the students were given detailed information about Logistics and Supply Chain Management by the experts of Om Logistics. During this training program, industrial visits, and warehouse visits were also conducted for the participating students. Through this, the students got an opportunity to know and understand the contemporary topics in the logistics sector. University Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that such industrial training helps in enhancing the skill development of the students. The Vice-Chancellor said that students will get benefit from this training. He also said that in the new National Education Policy emphasis has been laid on the skill development of the students. According to an estimate, he further emphasized, less than 5 percent of Indians in the age group of 19 to 24 in India have received formal vocational education. These figures show that there is a need to accelerate the promotion of vocational education in India and this will improve the field of vocational education. The Vice-Chancellor said that B.Voc., Retail and Logistics Management has been providing a good platform for the students to acquire knowledge and skills in the competitive corporate world. Department coordinator Prof. Pawan Kumar Maurya said that the practical skill development in the students through such industrial training plays an important role in the formation of their personality. He said that the department organises such workshops, internships, expert lectures and practical activities from time to time. Dr Suyash Mishra, Coordinator, Retail and Logistics, said that through this workshop the students were helped to create a future in the logistics sector and to know the employment opportunities available in it.

हकेवि में विद्यार्थियों के लिए चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

जून 30, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), अहमदाबादय भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), कोलकत्ताय अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली व डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एम.लिब. के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई, 2022 तक चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईएम अहमदाबाद के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बांका बिहारी चंद, श्री मल्लिकार्जुन डोरा, श्री एम. इलियाराजा, सुश्री आशा देसाई, श्री विरल कुमार नविक विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। प्रो. गुप्ता ने बताया कि श्री मल्लिकार्जुन डोरा ने विक्रम साराभाई पुस्तकालय, आईआईएम, अहमदाबाद की केस स्टडी के माध्यम से पुस्तकालय की विशेषताओं पर प्रकाश

डाला। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय संग्रह, वीएसएल आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में डॉ. बांका बिहारी चंद ने कौशल विकास के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कौशल विकास के माध्यम से किस प्रकार से सफल पेशेवर बनने में मदद मिलती है।

A Four-Week Training Program for Students

A four-week summer library training program is being organised by the Department of Library and Information Science, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Organised in collaboration with Indian Institute of Management (IIM), Ahmedabad; Indian Institute of Science Education and Research (IISER), Kolkata; All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi; and Dr Ram Manohar Lohia National Law University, Lucknow, the program gave an exhaustive knowledge of library management to the students. The Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that this training program would help the students to know and understand the practical knowledge of libraries. Head of the Department of Library and Information Science of the University, Prof. Dinesh Kumar Gupta informed that a four-week summer library training program is being organised from June 27 to July 27, 2022. In this training program, the librarians of IIM Ahmedabad, Dr Banka Bihari Chand, Mr Mallikarjun Dora, Mr M. Ilayaraja, Ms Asha Desai, and Mr Viral Kumar Navik are participating as experts. Prof. Gupta informed that Shri Mallikarjun Dora highlighted the features of the library through a case study of Vikram Sarabhai Library, IIM, Ahmedabad. Along with this, he discussed in detail the subjects like library collection, VSL etc. In this sequence, Dr Banka Bihari Chand apprised the participants of the importance of skill development and how skill development helps in becoming a successful professional.

गीत और नृत्य से लता को दी श्रद्धांजलि

स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की याद में संगीतमय कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने लता मंगेशकर की याद में संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम लता के संघर्षमय जीवन से प्रेरणा लेकर जिंदगी को और बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने पार्श्व गायकी के क्षेत्र में जो आयाम स्थापित किए हैं, वे अविस्मरणीय हैं। इस मौके पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने संगीत के जरिये लता को श्रद्धांजलि दी।

भूगोल विभाग के राकेश, पोषण जीव विज्ञान की तोषी, शिक्षा विभाग की श्रीमी, सांख्यिकी विभाग से रूनजून, विशाल और सुअचमीता, पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग की ईशा, समाज शास्त्र से समृद्धि, हिंदी विभाग के आकाश, इतिहास से मनीषा और अश्वती और राजनीति विज्ञान विभाग ... श्रद्धा अर्पित की। इसके अलावा शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नितिन ने शास्त्रीय नृत्य के जरिये लता के गाए मराठी भजन पर नृत्य किया।

शिक्षकों में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. जसवंत, डॉ. रश्मि, ... श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में की-बोर्ड ... संगत बीटेक के फ्रांसिस ने, तबला पर शंक... एवं गिटार पर विशाल ने दी। इस कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण ...

लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। लता मंगेशकर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो : हरिभूमि

लता मंगेशकर की याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय ...

हकेंवि के विद्यार्थियों को मिला तीन दिन का औद्योगिक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थी विशेषज्ञों के साथ। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को औद्योगिक कार्यशाला के अंतर्गत तीन दिन का औद्योगिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में ओम लॉजिस्टिक्स ... से भी कम भारतीयों ने औपचारिक व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त की है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में व्यवसायिक शिक्षा के प्रचार में तेजी लाने की आवश्यकता है और इससे व्यवसायिक शिक्षा में अवश्य सुधार होगा। बी.वॉक. रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रतिस्पर्धी कॉर्पोरेट जगत में ज्ञान और कौशल हासिल करने ...

छात्रा पूनम ने दौड़ में पाया प्रथम स्थान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

परीक्षा पे चर्चा का हुआ लाइव प्रसारण

डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने ...

देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत अहम योगदान: ओ.पी. य...

जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए : प्रो. का...

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन और प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संवाद

कार्यशाला — हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

विद्यार्थियों ने आईटीसी ग्रैंड भारत होटल का किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

हकेंविवि में मनेगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है। योग दिवस की तैयारियों को लेकर विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से एक से पांच जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

योगा प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देते हकेंविवि के विद्यार्थी। संवाद

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

Mega Health Camp organized at CUH

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: A Mega Health Camp was organized on Monday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Experts from Medanta Hospital, Gurugram were present in this ... Hospital, Gurugram for the employees and students of the University, the experts examined the health and gave information regarding necessary coun... treatment. Academic, non-te... and their families actively ... in this health check-up cam... in the University. Medical of... University, Dr. Rajat Yadav, Dr... and all the colleagues of the ... played an important role in t... this occasion the Vice Chan... University, Prof. Tankeshwar... first lady of the University, ... Srivastava, Registrar Prof. Suni... Dinesh Gupta, Prof. Pawan Ku... Prof. Gunjan Goyal, Dr. Rames... Dinesh Kumar, employees, ... students of various departme... health check-up done.

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है

हकेंविवि में संबोधित करते प्रो. कामाख्या कुमार। संवाद

हकेंविवि में परंपरागत ढंग से मनाया उगादि पर्व

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदू नववर्ष व उगादि पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्यों के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी पत्नी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव द्वारा पूजा-अर्चना के साथ हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हिंदू नववर्ष व उगादि पर्व के महत्त्व से अवगत कराते हुए कहा कि चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को वर्ष प्रतिपदा या युगादि भी कहा जाता है। इस दिन हिंदू नववर्ष का आरंभ होता है। विजय के प्रतीक रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित तेलुगु भाषी प्रदेशों में 'उगादि' और महाराष्ट्र में यह पर्व 'गुड़ी पड़वा' के रूप में मनाया जाता है।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मिनी इंडिया की झलक देखने को मिलती है और इस प्रकार के आयोजनों से हमें एक-दूसरे की संस्कृति व परंपराओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में पूजा अर्चना करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

'जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहि...'

इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता: शोध की गुणवत्ता व दस्तावेजीकरण होगा

कार्यक्रम — जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह होंगे मुख्यातिथि

हकेंविवि में दो दिवसीय जल संरक्षक अभियान आज से

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेवि की डॉ. पूजा यादव को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से मिली फैलोशिप

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए प्रतिष्ठित एसआईआरई फैलोशिप प्राप्त हुई है। डॉ. पूजा इसके अंतर्गत इंस्टीट्यूट फॉर ...

प्रकृति के बिना मानव जीवन का अस्तित्व नहीं

तंबाकू के खिलाफ युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

हकेंवि में जैंडर जस्टिस पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

मिशन एडमिशन — सबसे अधिक बीटेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 60 सीटों के लिए आए 71624 आवेदन

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर 431 उम्मीदवार

➡ स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने किया आवेदन

जनमार्ग न्यूज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर उपलब्ध विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है। शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है।

बीती 31 मई को खत्म हुई आवेदन प्रक्रिया के पश्चात हकेंवि में उपलब्ध 11 स्नातक व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस तरह औसतन हर सीट पर 431 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं।

जहां तक बात सबसे अधिक आवेदनों की है तो विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 60 सीटों के लिए कुल 71624 आवेदन आए हैं। इस तरह इस कोर्स में हर सीट पर 1193 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सीयूईटी 2022 के अंतर्गत आयोजित इस दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रति आवेदकों के रुझान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बीते 13 सालों में विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों के इस उल्लेखनीय रुझान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इस उपलब्धि के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2022 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर 11 पाठ्यक्रमों के लिए कुल 212722 आवेदन प्राप्त हुए। यह आवेदन प्रक्रिया 2 अप्रैल से शुरू होकर 31 मई तक चली और इस प्रक्रिया के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देशभर के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किए गए। प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए जल्द ही तिथियों की घोषणा की जाएगी। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और यह प्रक्रिया भी सीयूईटी के माध्यम से की जा रही है। जिसके लिए आगामी 18 जून तक आवेदन किया जा सकता है।

Patron

Prof. Tankeshwar Kumar
Vice-Chancellor, Central University of Haryana

Editorial Board

Dr. Rinu (Editor), Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages

Dr. Siddharth Shankar Rai, Assistant Professor, Department of Hindi

Mr. Anil Kundu, Assistant Professor, Department of Printing and Packaging Technology

Dr. Bharti Batra, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Dr. Snehsata, Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages

Mr. Alekha Sachidananda Nayak, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Ms. Niharika Sharma, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

Ms. Alka Nanda Amethia, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Haryana
(Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament)
(NAAC Accredited 'A' Grade University)
www.cuh.ac.in | @cuhofficial